दैनिक
भीम प्रज्ञा
PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता
www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-21 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरूवार, 11 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जब मन साफ़ हो और इरादे नेक हों, तो रास्ते खुद-ब-खुद सरल होते चले जाते हैं।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

हनुमानगढ़ में बवाल, किसानों-पुलिस में झड़प

16 गाड़ियों में आग लगाई, आंसू गैस के गोले दागे; कांग्रेस विधायक घायल, फैक्ट्री की दीवार तोड़ी

भीम प्रज्ञा न्यूज

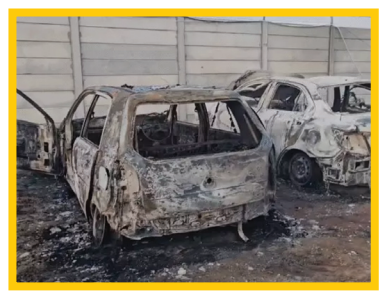

हनुमानगढ । हनुमानगढ़ में पुलिस और किसानों में झड़प हो गई। किसानों ने ट्रैक्टरों से ड्यून इथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड की निर्माणाधीन फैक्ट्री की दीवार को तोड़ दिया।पुलिस ने लाठीचार्ज किया। किसानों ने कई गाड़ियों में तोड़फोड़ की और 16 को आग लगा दी। पुलिस ने भीड़ को काबू में करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। मामला टिब्बी इलाके के राठी खेड़ा गांव का बुधवार का है। किसान के समर्थन में पहुंचे कांग्रेस विधायक अभिमन्यु पूनिया लाठीचार्ज में घायल हो गए। उन्हें हनुमानगढ़ जिला अस्पताल ले जाया गया। उपद्रव में कई पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और प्रशासनिक अधिकारी घायल बताए गए हैं।

प्रशासन ने टिब्बी कस्बे और आसपास के गांवों में इंटरनेट बंद कर दिया। स्कूल और दुकानें भी बंद है। इससे पहले फैक्ट्री के विरोध में किसानों ने एसडीएम कार्यालय के सामने सभा की। शाम 4 बजे किसानों ने फैक्ट्री की दीवार तोड़ने के लिए कूच कर दिया। इससे एकाएक ही अफरा-तफरी मच गई।

चंडीगढ़ में रजिस्टर्ड है कंपनी

2020 में स्थापित ड्यून इथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की हनुमानगढ़ में 40 मेगावाट के अनाज-आधारित इथेनॉल प्लांट लगाने की योजना है। कंपनी चंडीगढ़ में रजिस्टर्ड है। इसके डायरेक्टर जतिंदर अरोरा और रॉबिन जिंदल हैं। फैक्ट्री को एनवायरनमेंट क्लियरेंस(श्वष्ट) नहीं मिली थी, 2022 से आवेदन पेंडिंग है।

विधायक बोले- प्रशासन चाहता तो रुक सकती थी घटना

संगरिया विधायक अभिमन्यु पूनिया ने कहा- कांग्रेस इस आंदोलन में संघर्ष समिति के साथ है। आगे कांग्रेस अपने स्तर पर कलेक्ट्रेट को घेरेगी। जिला प्रशासन चाहता तो यह घटना रुक सकती थी। प्रशासन वार्ता के लिए आगे नहीं आया। ऐसा संशय है कि सरकार ने ही ऐसे लोग भीड़ में भेजे कि लाठीचार्ज की नौबत आए। मेरे सिर में चोट आई है। तीन टांके लगे हैं।

आवासीय परिसर में भी आग लगा दी

जिला प्रशासन के अनुसार आंदोलन में 10 निजी गाड़ियां, एक पुलिस वाहन और 4 बाइक जला दी गईं। फैक्ट्री कर्मियों के कई वाहनों को क्षतिग्रस्त किया गया। इसके अलावा उनके आवासीय परिसर में भी आग लगा दी गई। एक जेसीबी को जला दिया गया, दो जेसीबी में तोड़फोड़ की गई।

प्रशासनिक अधिकारी भी घायल, होगी कानूनी कार्रवाई

जिला प्रशासन ने टिब्बी में हुई घटना को लेकर अधिकृत सूचना जारी की है। इसके अनुसार घटना में 10 निजी गाड़ियां, एक पुलिस वाहन और 4 बाइक जला दी गई। फैक्ट्री कर्मियों के कई वाहनों को क्षतिग्रस्त किया गया। इसके अलावा उनके आवासीय परिसर में भी आग लगा दी गई। एक जेसीबी को जला दिया गया, दो जेसीबी में तोड़फोड़ की गई। घटना में कई पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और प्रशासनिक अधिकारी घायल बताए गए हैं। हालांकि घायलों की अधिकृत सूची जारी नहीं की गई है।

जिला प्रशासन ने कहा है कि ऐसी हिंसक घटनाओं पर कार्रवाई की जाएगी और सख्त कदम उठाए जाएंगे।

झुंझुनूं में अतिक्रमण पर 'एक्शन'

नेहरू बाजार-पुरानी सब्जी मंडी से हटाई दुकानें; पुलिस रही मौजूद, आयुक्त बोले-कार्रवाई जारी रहेगी

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । झुंझुनूं शहर के मुख्य बाजारों और चौराहों पर बढ़ती अव्यवस्था और यातायात जाम की समस्या से निपटने के लिए नगर परिषद की टीम ने बुधवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान तेज कर दिया। कार्रवाई सोमवार से जारी है। बुधवार को परिषद की टीम ने पुलिस जाब्ते के साथ नेहरू बाजार, पुरानी सब्जीमंडी और शहीदान चौक से अस्थाई दुकानों और अवैध कब्जों को हटाया। इस दौरान कुछ स्थानों पर परिषद टीम को स्थानीय व्यापारियों के हल्के विरोध और बहस का सामना भी करना पड़ा, लेकिन पुलिस की सख्त मौजूदगी के कारण स्थिति नियंत्रण में रही और अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मुख्य स्थानों पर चला अभियान, करना पड़ा विरोध का सामना

नगर परिषद आयुक्त देवीलाल बोचलिया ने बताया- अतिक्रमण हटाने का अभियान पिछले तीन दिनों से जारी है, जिसे शहर में सुचारू यातायात और पैदल चलने वालों के लिए जगह बनाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। बुधवार को अभियान की शुरुआत साहुवाला कुआं क्षेत्र से की गई। इसके बाद टीम ने शहर के सबसे व्यस्त बाजारों में से एक नेहरू बाजार का रुख किया, जहां अस्थाई दुकानों को हटाया गया।

महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान में मानवाधिकार दिवस मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

मानवाधिकार दिवस' पर महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान सीकर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. जितेंद्र देव ढ़ाका प्रोफेसर राजकीय कला महाविद्यालय सीकर, संस्थान सचिव डॉ. ओ पी सैनी, नीलम कुमारी महिला अधिकारिता विभाग पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र प्रबंधक व एडवोकेट कृष्णा सोनी ने मां शारदे की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। सावित्रीबाई फुले पीजी महिला महाविद्यालय व सावित्रीबाई फुले शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा मानवाधिकार को प्रलक्षित करते हुये दो नाटक प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि डॉ. ढ़ाका ने मानवाधिकारों को स्पष्ट करते हुए बतलाया कि यह 10 दिसंबर को ही क्यों मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि ये धारणा फ्रांस की क्रांति के दो विचारों फ्रीडम का आईडिया व इक्वलिटी का आईडिया से ली गई है। उन्होंने बताया कि 20वीं सेंचुरी में वर्ल्ड वॉर हुआ जिसमें हिरोशिमा, नागासाकी की घटना हुई और चिंता जाहिर की गई कि मानव का जीवन मानवीय विनाश कर रहा है। तभी 1945 में यूएनओ की स्थापना हुई। यूएनओ ने 1948 में यह कहा कि मनुष्य के मनुष्य होने के नाते जन्म से ही कुछ अधिकार है जिन पर हमें विचार करना चाहिए। उन्हें अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए प्रयत्न करने की आवश्यकता है। इसीलिए 10 दिसंबर 1948 को इसकी परिणीति हुई।

उन्होंने बताया कि यू एन एच आर सी से जुड़ी दो भारतीय महिलाएं हंसा मेहता और लक्ष्मी मेनन ने मानवाधिकारों के निर्माण में अपनी महत्ती भूमिका निभाई। इसके अलावा उन्होंने भाषा से होने वाले भेदभाव को भी स्पष्ट किया। कार्यक्रम में दोनों महाविद्यालय के प्राचार्य व समस्त व्याख्यातागण और सभी छात्राएं मौजूद रही। संस्थान सचिव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन सरिता सैनी व निकिता जांगिड़ ने किया।

'नशामुक्त युवा फार विकसित भारत ': बुहाना और पचेरी बड़ी विद्यालयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

विश्व हिन्दू परिषद् (विहिप) की महिला शाखा दुर्गावाहिनी की ओर से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बुहाना और स्वतंत्रता सेनानी ताड़केश्वर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पचेरी बड़ी में संयुक्त रूप से 'नशामुक्त युवा फार विकसित भारत' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभाव से अवगत कराना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान, मातृशक्ति जिला संयोजिका डॉ. नीलम और विहिप के जिला सहमंत्री नंदकिशोर ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। डॉ. नीलम ने युवाओं को नशे के बढ़ते चलन के प्रति आगाह करते हुए कहा कि यह 'युवा शक्ति को कमजोर करने वाला जहर' है, जो विकसित भारत के लक्ष्य को बाधित करता है। उन्होंने छात्रों से नशे से दूर रहने और एक मजबूत तथा स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

जिला सहमंत्री नंदकिशोर ने छात्रों को जीवन प्रबंधन के लिए नियमित योगासन की महत्ता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि योगासन न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि यह मानसिक शांति और एकाग्रता को भी बढ़ाता है, जो छात्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रधानाचार्य श्रीपाल और अजीत सहित सभी शिक्षक गणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। विहिप दुर्गावाहिनी की यह पहल युवाओं को सकारात्मक दिशा देने और उन्हें स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

फसलों के नुकसान के लिए मुख्यमंत्री ने 477 करोड़ का मुआवजा जारी किया

डिफ्लाटर किसानों के लिए एक मुश्त निपटान योजना घोषित-

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चंडीगढ़

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । खरीफ फसलों में बाढ़, प्राकृतिक आपदा और भावांतर योजना के तहत आज मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुआवजा राशि जारी की। मुख्यमंत्री ने बताया कि बाढ़ में क्षतिग्रस्त फसलों के लिए 116 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसी तरह बाजरा के किसानों को भावांतर योजना के तहत 358 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि एक सप्ताह में किसानों के खातों में यह राशि पहुंच जाएगी। मुख्यमंत्री ने शहरों के विकास के लिए 1700 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सत्यापन के बाद एक लाख 20 हजार एकड़ में खराबे की पुष्टि हुई है। इसके चलते 54821 किसानों के खातों में 116 करोड़ ट्रांसफर्र किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पशुधन और मकानों के नुकसान के लिए 4072 करोड की राशि पहले ही जारी की जा चुकी है। इस बार सबसे ज्यादा नुकसान कपास और बाजरा की फसलों को हुआ है। सरकार ने 25 से 50 फीसदी खराबे पर 9 हजार रुपये प्रति एकड़, 50 से 75 फीसदी खराबे पर 12 हजार रुपये और 75 फीसदी से ज्यादा खराबे पर 15 हजार रुपये मुआवजे की घोषणा की है मुख्यमंत्री ने शहरी विकास व मैट्रोपोलिटिन सिटी के विकास के लिए 1700 करोड़ रुपये की राशि बटन दबाकर कर की। मुख्यमंत्री ने आज इस अवसर पर पैक्स से फसली ऋण लेने वाले किसानों के लिए 'एक मुश्त निपटान योजना घोषित की। मुख्यमंत्री ने कहा यह योजना किसानों के लिए वरदान साबित होगी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि किसान यदि अपनी मूल राशि पैक्स में जमा करवा देते हैं तो उसका पुरा ब्याज माफ कर दिया जाएगा। यह योजना 31 मार्च 2026 तक लागू रहेगी। मूल राशि भरने के बाद किसान फिर से पैक्स फसली ऋण ले सकेंगे। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद रहें।

21 जिला प्रमुखों की जगह कलेक्टरों ने संभाली कमान

222 प्रधानों का चार्ज एसडीएम को; चुनाव होने तक विकास योजनाओं और बजट पर अफसर करेंगे फैसला

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । प्रदेश की 222 पंचायत समितियों के प्रधानों और 21 जिला प्रमुखों का कार्यकाल 9 दिसंबर को खत्म होने के बाद आज से प्रशासक लगा दिए गए हैं। अब पंचायत चुनाव के बाद जिला परिषद और पंचायत समिति बोर्ड की पहली बैठक होने तक जिला प्रमुख का चार्ज कलेक्टर और प्रधान का चार्ज एसडीएम के पास रहेगा। वहीं जिला प्रमुखों,प्रधानों के साथ पंचायत समिति सदस्यों और जिला परिषद सदस्यों का कार्यकाल भी पूरा हो गया है। ऐसे में चुनाव होने तक विकास योजनाओं और बजट पर फैसला कलेक्टर व एसडीएम करेंगे। पंचायत चुनाव अगले साल के बीच में होने के आसार हैं।

इन 21 जिला परिषदों में कलेक्टरों ने संभाली कमान

जैसलमेर, उदयपुर, बाड़मेर, अजमेर, पाली, भीलवाड़ा, राजसमंद, नागौर, बांसवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जालौर, झालावाड़, झुंझुनूं, प्रतापगढ़, सीकर, टोंक शामिल है।

सरकार ने दो दिन पहले किया था फैसला

पंचायतीराज विभाग ने दो दिन पहले ही कार्यकाल खत्म होने वाली पंचायत समितियों में एसडीएम और जिला परिषदों में कलेक्टर को प्रशासक लगाने का फैसला किया था।

सरपंचों की तर्ज पर प्रधान कर रहे थे कार्यकाल बढ़ाने की मांग

सरपंचों की तर्ज पर प्रधान भी कार्यकाल बढ़ाने की मांग कर रहे थे। इसे लेकर प्रधानों ने पंचायतीराज मंत्री से लेकर कई स्तर पर बात की थी। मुख्यमंत्री तक भी मांग पहुंचाई गई थी लेकिन सरकार ने प्रधानों की मांग नहीं मानी। पहले अपनाई जाती रही व्यवस्था के अनुसार पंचायत समितियों में एसडीएम को प्रशासक लगाने का फैसला किया गया।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने कलक्टर को ज्ञापन देकर नगर परिषद में राजनैतिक गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सीकर ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर नगर परिषद परिसर में हो रही राजनीतिक और गैर-प्रशासनिक गतिविधियों पर कड़ी आपत्ति जताई है। कमेटी ने बताया कि पिछले कुछ समय से नगर परिषद जैसे महत्वपूर्ण सरकारी परिसर का उपयोग राजनीतिक समारोहों, बैठकों और शक्ति प्रदर्शन के लिए किया जा रहा है, जो न केवल प्रशासनिक मर्यादाओं के विरुद्ध है बल्कि सरकारी तंत्र की निष्पक्षता पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है। कमेटी ने यह भी कहा कि नगर परिषद जैसी जगहें जनसेवा और प्रशासनिक कार्यों के लिए बनी हैं, किसी भी दल या संगठन के राजनीतिक एजेंडे के प्रचार के लिए नहीं, ज्ञापन में जिला प्रशासन का ध्यान इस ओर दिलाया गया कि सरकारी परिसरों का राजनीतिक उपयोग अधिकारियों पर अनावश्यक दबाव का वातावरण बनाता है और यह स्थिति लोकतांत्रिक प्रशासनिक व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने मांग की कि नगर परिषद परिसर में किसी भी प्रकार के राजनीतिक कार्यक्रम, सभा या आयोजन पर तत्काल रोक लगाई जाए और सरकारी संपत्तियों का दुरुपयोग रोकने हेतु स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएँ ।कांग्रेस कमेटी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्रशासन सात दिनों के भीतर इस विषय में आवश्यक कार्रवाई नहीं करता है, तो ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करेगी। जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष राजेश सैनी, दिनेश सैनी, मकसूद अली कुरैशी, अब्दुल लतीफ खोखर, अलादीन तगाला, काशीराम माउका, हासिम कछावा, इमरान भाटी, विजेंद्र सैनी, शाकिर अली, इतिहास पाराशर, सुमित जोशी, श्रीनिवास सैनी, ओमप्रकाश पंवार, राकेश बाजोर, मुकेश हर्ष, सतपाल धीवा, अब्दुल रईस भारती, मोईन बिसायती, जाकिर हुसैन, सज्जाउद्दीन तंवर, जुबेर नारू, वाजिद अली, उमेश सैनी, कैलाश सैनी, रवि सैनी, सज्जन सैनी आदि कांग्रेस कार्यकर्त्ता मौजूद रहें।

बंगाल में उभरते हिन्दू स्वरों में बदलते राजनीतिक समीकरण

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद पुनर्निर्माण का मुद्दा उठाना मानो एक सोए हुए राक्षस को जगाने जैसा है, क्योंकि यह केवल एक मस्जिद का प्रश्न नहीं बल्कि देश की एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द की कसौटी है। सदियों से चला आ रहा बाबरी विवाद भारत की सामाजिक चेतना पर गहरे जख्म छोड़ चुका है-जिसने राजनीति को उग्र बनाया, समुदायों को बाँटा और नफरत व हिंसा के बीज बोए। ऐसे समय में जब राष्ट्र विभिन्न संकटों से जूझ रहा है, इस विवाद को नए भूगोल में स्थानांतरित कर हवा देना सामाजिक सामंजस्य एवं राष्ट्रीय एकता के लिए घातक हो सकता है।

पि म बंगाल इन दिनों धार्मिक और राजनीतिक उफान का केंद्र बना हुआ है। बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक समूहों की सक्रियता के बीच हिन्दू धर्मगुरुओं एवं संगठनों की मोचार्बंदी ने क्या हिंदू क्रांति का शंखनाद किया है? क्या यह आगामी विधानसभा चुनावों में हिंदू वोटों को एकत्र करने का नया एजेंडा है, या पि म बंगाल में लगातार हिन्दुओं पर हो रहे हमलों, उनको कुचलने की कुचेष्टाओं एवं मुस्लिम तुष्टीकरण का माकुल जबाव है। बाबा बागेश्वर धाम-धीरेन्द्र शास्त्री सहित अनेक हिंदू धर्मगुरुओं के प्रवचनीय हस्तक्षेप, लाखों लोगों द्वारा सामूहिक गीता पाठ और संतों की हुंकार से एक नई चेतना आकार लेती दिखाई दे रही है। यह उभार महज आस्था का नहीं, बल्कि पहचान, सुरक्षा और गौरव के भावों का उभार है।

पि म बंगाल में बाबरी मस्जिद पुनर्निर्माण का मुद्दा उठाना मानो एक सोए हुए राक्षस को जगाने जैसा है, क्योंकि यह केवल एक मस्जिद का प्रश्न नहीं बल्कि देश की एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द की कसौटी है। सदियों से चला आ रहा बाबरी विवाद भारत की सामाजिक चेतना पर गहरे जख्म छोड़ चुका है-जिसने राजनीति को उग्र बनाया, समुदायों को बाँटा और नफरत व हिंसा के बीज बोए। ऐसे समय में जब राष्ट्र विभिन्न संकटों से जूझ रहा है, इस विवाद को नए भूगोल में स्थानांतरित कर हवा देना सामाजिक सामंजस्य एवं राष्ट्रीय एकता के लिए घातक हो सकता है। सद्भाव और शांति की बुनियाद पर खड़े भारत को ऐसे मुद्दों की आवश्यकता है जो एकता को मजबूत करें, न कि पुराने घाव कुरेदकर समाज में तनाव और अविश्वास पैदा करें। अतः आवश्यक है कि नेतृत्व इस संवेदनशील विषय को विवेक, संवाद और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर संभाले, ताकि भारत का बहुलतावादी चरित्र और साझा सभ्यता सुरक्षित रह सके।

नि त ही बाबरी मस्जिद विवाद को हवा देकर कुछ मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक वर्गों ने तनाव का वातावरण खड़ा किया है। इन दो समानांतर धाराओं की टकराहट ने बंगाल को विमर्श के केंद्र में ला दिया है कि क्या राज्य में हिंदू संगठित होकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षडयंत्रों का अंत चाहते हैं? बंगाल परंपरा से बौद्धिक और सांस्कृतिक बहुलता का प्रदेश रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में हिंदू सामाजिक मानस में एक बदलाव दिख रहा है। 'गजवा हिंद' के प्रलापों के प्रतिकार में 'भगवा हिंद' का संकल्प उभर रहा है। पांच लाख से अधिक हिंदुओं द्वारा एक साथ गीता पाठ करना इसी उभार का संकेत है, जिसमें

धर्म प्रदर्शन शक्ति और अस्मिता के रूप में सामने आता है। साध्वी ऋतंभरा के वक्तव्यों ने इस उभार को एक नया स्वर दिया है। उनका स्पष्ट कथन कि 'यह धरती प्रभु श्रीराम की है और श्रीराम की ही रहेगी' बंगाल सहित पूरे देश के हिंदू मानस में गूंज रहा है। यह कथन सिर्फ आस्था की घोषणा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आधिपत्य की अनुभूति का उद्घोष है। उनके भाषणों में उभरती चेतावनी है कि यदि हिंदू अपनी संस्कृति, परंपरा और मंदिरों की रक्षा के लिए नहीं उठे तो इतिहास स्वयं उनसे जवाब मांगेगा।

इस पृष्ठभूमि में बाबरी विवाद का पुनर्स्मरण राजनीति का साधन भी प्रतीत होता है। मुस्लिम संगठनों द्वारा इसकी मांगों को आगे बढ़ाना और नेताओं द्वारा इसे मुद्दा बनाना नि त ही सामाजिक भावना को चुनौती देता है। इसका प्रतिउत्तर धार्मिक मंचों से आया है, जहां प्रवचनों और सभाओं ने इसे हिंदू गौरव और अस्तित्व के प्रश्न के रूप में चित्रित किया है। ऐसे में यह कहना असंगत नहीं कि बंगाल की जमीन पर हिंदू पहचान की राजनीति तेजी से आकार ले रही है और हिन्दू धर्मगुरुओं के स्वर इसे वैचारिक ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं। उनका यह कथन कि 'राम का नाम अनंत है, पर पुरुषार्थ के बिना सिर्फ नाम से रामराज्य नहीं आएगा' एक सीधा संकेत है कि हिंदू समाज को संगठित, सक्रिय और आत्मनिर्भर होना होगा।

इस व्यापक परिदृश्य का मुख्य केंद्रबिंदु राजनीति है। क्या यह सब आगामी विधानसभा चुनावों का संकेत है? बंगाल की राजनीति लंबे समय से मुस्लिम मतदाताओं की निर्णायक भूमिका के आसपास घूमती रही है और ममता बनर्जी ने मुस्लिम समाज के भरोसे को अपने समर्थन की नींव बनाया है। परंतु यदि हिंदू मतदाता नए सांस्कृतिक उभार से प्रेरित होकर एकजुट होते हैं, तो पहली बार बंगाल की सत्ता-समीकरण बदल सकते हैं। भाजपा और संघ परिवार का प्रयास भी इसी दिशा में है कि धार्मिक सम्मेलनों को राजनीतिक चेतना का मंच बनाकर हिंदू अस्मिता को वैचारिक शक्ति प्रदान करना। भाजपा, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और धार्मिक प्रवचनीय हस्तक्षेपों द्वारा बंगाल में हिंदू एकता और पहचान को जागृत करने की रणनीति अपनाई जा रही है। इस राजनीतिक परिपाटी में बाबा बागेश्वर जैसे मंच प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं, धर्म-सम्मेलनों को राजनीतिक चेतना की पाठशाला में बदला जा रहा है। साध्वी ऋतंभरा का बंगाल में सक्रिय होना उसी रणनीति की कड़ी है, क्योंकि उनका सशक्त भाषण हिंदू भावनाओं को झकझोरता है। बंगाल जिसकी पहचान बौद्धिक विनम्रता, कविता, महात्म्य और सहिष्णुता से जुड़ी रही है, वह अब टकराव, ध्रुवीकरण और प्रतिआक्रामकता की ओर बढ़ता दिख रहा है। हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों में भावनात्मक आवेश बढ़ रहा है और नेताओं द्वारा इस माहौल को चुनावी लाभ के लिए साधने की त्रासद कोशिशें तेज हैं। यह परिस्थिति बंगाल के सामाजिक ताने-बाने के लिए चुनौतीपूर्ण है।

फिर भी एक बात निर्विवाद है-बंगाल में एक नई चेतना, एक नई आकांक्षा जन्म ले रही है। यह पूर्ण क्रांति है या क्रांति का शंखनाद, यह कहना अभी जल्दबाजी होगा, परन्तु प्रारंभिक संकेत स्पष्ट हैं। हिंदू पहचान की राजनीति बंगाल में निर्णायक होती जा रही है, मुस्लिम वोट-बैंक की राजनीति पहली बार चुनौती में दिखाई दे रही है और ममता बनर्जी की सत्ता को सांस्कृतिक विरोध का नया मोर्चा मिला है। अब यह समय बताएगा कि यह उभार सत्ता बदलता है या सामाजिक संवाद को बदलता है। लेकिन इतना तो तय है कि बंगाल की राजनीति अब केवल विकास, योजनाओं और नेतृत्व की नहीं, बल्कि पहचान, इतिहास और प्रभुत्व की राजनीति बन चुकी है। यही कारण है कि धार्मिक मंचों की आवाजें चुनावी मैदान की धड़कन बन रही हैं। बंगाल अपने निर्णायक मोड़ पर खड़ा है-जहाँ राम का दावा और राम की भूमि का संकल्प राजनीति, समाज और भविष्य तीनों को प्रभावित करने वाला तत्व बन चुका है।

न केवल मुस्लिम तुष्टिकरण बल्कि भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी एवं तानाशाही का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रक्रिया बन गयी है। ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता बनर्जी का एकमात्र लक्ष्य मुसलमानों के वोट बैंक को बरकरार रखना रह गया है। मुद्दा चाहे रोहिंग्या मुसलामानों के अवैध प्रवेश का हो या फिर बांग्लादेशियों का या अब बाबरी मस्जिद का। इसके लिए ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पि मी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। तृणमूल कांग्रेस हिन्दुओं को पि म बंगाल में सेकेंड क्लास सिटिजन एवं अल्पसंख्यक बनाना चाहती है। मुस्लिम तुष्टीकरण की उसकी सोच एवं नीति न केवल उनके घोषणा-पत्रों में बल्कि उनके बयानों में स्पष्ट झलकती रही है। ममता ने मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति की है, तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। बदले हुए राजनीतिक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। पि म बंगाल में जो चल रहा है वह महज 'बागेश्वर बनाम बाबरी विवाद' नहीं है, यह सांस्कृतिक-धार्मिक पुनर्स्थापन की कोशिश बनाम राजनीतिक मुस्लिम केंद्रवाद की प्रतिस्पर्धा है। अभी के लिए, बंगाल की जमीन पर धर्म, राजनीति और पहचान का नया त्रिकोण उभर चुका है और वही आने वाले समय में बंगाल की राजनीतिक दिशा, सामाजिक संबंधों और सत्ता के समीकरणों को आकार देगा।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

वर्तमान का मूल्य-जहां पछतावा समाप्त होता है वहीं भविष्य का निर्माण आरंभ होता है?

मनुष्य का जीवन तीन कालों में बंटा होता है-अतीत, वर्तमान और भविष्य। इनमें से दो-अतीत और भविष्य-हमारी पकड़ से बाहर हैं। एक बीत चुका है और दूसरा अभी आया नहीं है। फिर भी, विडंबना यह है कि मनुष्य का अधिकांश जीवन इन्हीं दो कालों में उलझा हुआ बीत जाता है। हम पुरानी गलतियों, छूटे हुए अवसरों और बीते हुए क्षणों पर घंटों पछतावा करते रहते हैं, जबकि भविष्य की अनिश्चितताओं और आशंकाओं के कारण चिंता और भय से भरे रहते हैं। यह दोनों भावनाएं न केवल व्यर्थ हैं बल्कि जीवन की ऊर्जा को क्षीण कर देती हैं। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

सच्चाई यह है कि आप कितनी भी देर तक किसी पुरानी घटना पर पछतावा करें, वो घटना फिर भी वैसी ही रहेगी। अतीत एक पत्थर की लकीर की तरह अपरिवर्तनीय है। पछतावा केवल मन को कचोटता है, आत्मविश्वास को कमजोर करता है और वर्तमान की खुशी को समाप्त कर देता है। निश्चित ही, अतीत से सीखना आवश्यक है, परंतु उस पर अटक जाना आत्म-विनाश की प्रक्रिया है।

इसी प्रकार, भविष्य की चिंता करना उसे बेहतर नहीं बनाता। भविष्य की दिशा वर्तमान के कर्म तय करते हैं। चिंता करने से न जोखिम टलते हैं, न समस्याएं समाप्त होती हैं। बल्कि चिंता की आदत मन को कमजोर, अस्थिर और असुरक्षित बनाती है। यह हमारे वर्तमान के अवसरों को कुचल देती है और जीवन में उत्साह की जगह डर भर देती है। सच तो यह है कि जीवन का वास्तविक मूल्य वर्तमान में है-यही वह क्षण है जिसे हम जी सकते हैं, बदल सकते हैं, दिशा दे सकते हैं। आज लिए गए निर्णय, किए गए प्रयास और चुने गए रास्ते ही भविष्य की नींव बनते हैं।

कहना आसान है और करना कठिन-ऐसा अक्सर माना जाता है। लेकिन यदि हम मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझें, तो हमारा मन अक्सर वहीं भटकता है जहां उसे नियंत्रण की चाह होती है। अतीत पर इसलिए टिकता है क्योंकि वह ज्ञात है, और भविष्य पर इसलिए अटकता है क्योंकि वह अज्ञात है। मन की यह प्रवृत्ति ही हमें चिंता और पछतावे के चक्रव्यूह में फंसा देती है।

इसलिए आवश्यक है कि मन को वर्तमान में टिकाने का अभ्यास किया जाए। जब हम वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करते हैं-अपने काम, अपने संबंधों, अपने निर्णयों और अपनी जिम्मेदारियों पर-तो हम न केवल अधिक उत्पादक बनते हैं बल्कि अधिक संतुष्ट भी रहते हैं। वर्तमान में जीना कोई दार्शनिक विचार मात्र नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक व्यावहारिक और शक्तिशाली कला है। आज का क्षण ही जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक है। यह हमें लगातार यह एहसास कराता है कि हम केवल अपने कर्म पर नियंत्रण रख सकते हैं, परिणाम पर नहीं। यही ज्ञान हमें तनाव से मुक्त करता है और संतोष प्रदान करता है। वर्तमान को गले लगाने से हम जीवन के प्रति सजग और संवेदनशील बनते हैं। हम छोटी-छोटी खुशियों को अनुभव करते हैं और चुनौतियों को दृढ़ता से सामना करने की शक्ति प्राप्त करते हैं। पछतावा और चिंता मन की ऊर्जा को खा जाते हैं। यह ऐसे बोझ हैं जिन्हें ढोते रहने से जीवन भारी होता जाता है। इसलिए अतीत से सीखें, उसे स्वीकार करें और छोड़ दें। भविष्य की योजना अवश्य बनाएं, पर उसकी चिंता में वर्तमान को न कुर्बान करें। जीवन एक बहती नदी की तरह है, जिसमें अतीत, वर्तमान और भविष्य तीनों धारा बनकर चलते हैं। लेकिन नाव केवल उसी धारा में बह सकती है जहाँ हम उसे चलाते हैं-और वह है वर्तमान। जब हम इस सत्य को समझकर जीना शुरू करते हैं, तो जीवन सहज, सुंदर और सार्थक बन जाता है।

अंततः, वर्तमान सिर्फ एक समय नहीं, बल्कि एक शक्ति है।

इसे जितना सजग होकर जिएंगे, उतना ही आपका जीवन प्रखर और सफल बनेगा।

अतीत का बोझ उतारें,
भविष्य का भय छोड़ें,
और वर्तमान को अपनी सबसे बड़ी पूंजी बनाएं-यहीं से नया जीवन जन्म लेता है।

पहाड़ केवल जमीन नहीं, प्रकृति के शृंगार हैं

दिलीप कुमार पाठक

अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस हर साल 11 दिसंबर को मनाया जाता है। यूएनओ ने 2003 में पर्वतों के महत्व और उनके संरक्षण के बारे में घोषणा की। पर्वत न केवल प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं बल्कि यह वनस्पति, जलीय स्रोत और जैव विविधता के भी महत्वपूर्ण स्रोत हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस का उद्देश्य लोगों को पर्वतों की सुरक्षा की आवश्यकता और महत्व को समझाना है, पर्वतों की स्थिति में भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में कई प्रमुख पर्वत श्रृंखलाएँ स्थित हैं। देश के कुल भूमि क्षेत्र का लगभग 30 प्रतिशत भाग पर्वतों से आच्छादित है।

पर्वतों की सुरक्षा के लिए सतत विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है। जलवायु परिवर्तन और भीषण दोहन के कारण आज पहाड़ों पर गंभीर खतरे पैदा हो रहे हैं, अनियंत्रित और अत्यधिक पर्यटन ने प्रदूषण, विशेष रूप से गैर-बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक कचरे की समस्या को गंभीर बना दिया है। पर्वतीय कस्बों में अपशिष्ट निपटान की अपर्याप्त सुविधाओं के कारण नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान हो रहा है। बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अति-दोहन किया जा रहा है। अरावली जैसी पर्वतमालाओं में अनियंत्रित खनन ने पर्यावरण को गंभीर रूप से घायल किया है, जिससे मरुस्थलीकरण और जल संकट जैसी समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं। पर्वतीय समुदायों को अक्सर गरीबी, अपर्याप्त बुनियादी ढांचे और सीमित डिजिटल कनेक्टिविटी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए इनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। पर्वत न केवल पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए बल्कि तालाबों में बसे लाखों लोगों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। ये हैं दुनिया की प्रमुख नदियाँ और जल चक्र में अहम भूमिका निभाते हैं। इस दिन पहाड़ों के विकास और उनसे मिलने वाले अवसरों पर भी ध्यान केंद्रित किया जाता है। यह लोगों को पर्यावरण में पर्वतों की भूमिका और उनके जीवन पर प्रभाव के बारे में शिक्षा देता है। अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस हर साल एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस का इतिहास 1992 से शुरू हुआ, जब संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और विकास सम्मेलन के अध्याय 13 में संवेदनशील प्रशिक्षण तंत्र का प्रबंधनः सतत विकास के तहत विशिष्टता को शामिल किया गया था। यह पर्वत विकास के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हुआ। पहाड़ों के महत्व की ओर बढ़ते ध्यान को देखते हुए, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2002 को संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय पर्वत वर्ष घोषित किया और 2003 से हर साल 11 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस ????का निर्णय लिया। इसलिए, पहली बार अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस 11 दिसंबर 2003 को मनाया गया था।

पर्वतों में प्रकृति के अनमोल रत्न शामिल हैं जिनका हमें संरक्षण करना चाहिए। ये हैं दुनिया की 15% आबादी के घर और आसपास के आदिवासियों के समूह में शामिल हुए हैं। पहाड़ के किसानों को जीवन के लिए ताजा पानी उपलब्ध कराते हैं, कृषि को बनाए रखते हैं और स्वच्छ ऊर्जा और औषधियों की आपूर्ति में मदद करते हैं। दुर्भाग्य से, जलवायु परिवर्तन, भारी दोहन और प्रदूषण के कारण पर्वत खतरे में हैं, जिससे न केवल पर्यावरण बल्कि वहां रहने वाले लोगों के लिए भी खतरा बढ़ रहा है। जैसे-वैश्विक तापमान बढ़ रहा है, पर्वतीय तापमान बढ़ रहा है, जिससे नीचे के क्षेत्र में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोग, जो दुनिया के सबसे गरीब समुदायों में से हैं, जीवित रहने के लिए और भी बड़े-बड़े संकटों का सामना कर रहे हैं। ठेकों के कारण, कृषि, सुपरमार्केट या दुकानदारों के लिए किसानों को साफ करने से मि ी का कटाव और आवासों का नुकसान हो सकता है। कटाव और प्रदूषण न केवल जल प्रवाह की गुणवत्ता को नुकसान पहुंचाते हैं बल्कि मि ी की वास्तुकला को भी कम करते हैं। दरअसल, पूर्वोत्तर देशों में 311 मिलियन ग्रामीण पर्वतीय लोग क्षेत्र में रहते हैं, जहां भूमि का स्थिरीकरण हो रहा है, और इनमें से 178 मिलियन लोग खाद्य सुरक्षा के खतरे का सामना कर रहे हैं। यह समस्या हम सभी को प्रभावित करती है। हमें अपने कार्बन फुटप्रिंट्स को कम करना चाहिए और इन प्राकृतिक खजानों की देखभाल करनी चाहिए। आज का दिन पर्वतों के जीवन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। यह पर्वतीय विकास से जुड़े अवसरों और परिचय को दशार्ता है और पहाड़ी इलाकों और पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव के लिए सहयोग को बढ़ावा देता है।

पर्वत हमारे पर्यावरण, जीवन और संस्कृति का हिस्सा हैं। संबंधित तथ्यों का पता लगाना केवल ज्ञान की आवश्यकता नहीं है, बल्कि सुरक्षा की आवश्यकता को पूरा करना भी आवश्यक है। पर्वत प्रकृति की अनमोल देन हैं, इन्हें संरक्षित रखना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

वंदे मातरम पर चर्चा: सवाल नीति और नीयत का

निर्मल रानी

भारतीय संसद में शीतकालीन सत्र 2025 के दौरान 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक विशेष चर्चा आयोजित की गयी। गौर तलब है कि संस्कृत और बांग्ला भाषा के मिश्रण से तैयार किया गया यह गीत पहली बार 1882 में बंकिमचंद्र च ोपाध्याय द्वारा रचित उनकी बांग्ला उपन्यास आनंदमठ में प्रकाशित हुआ था। 24 जनवरी 1950 को भारत की संविधान सभा ने इसी गीत अर्थात ₹वन्दे मातरम₹ को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया। आज देश में इस गीत को भी राष्ट्रगान अर्थात ₹जन गण मन₹ के ही समकक्ष सम्मान प्राप्त है। सभी सरकारी और आधिकारिक कार्यक्रमों में जब इसे गाया या बजाया जाता है, तो सभी लोग इसके सम्मान में खड़े होते हैं। परन्तु हमारे देश में मुस्लिम उलेमा का एक वर्ग ऐसा है जिनका मानना है कि धरती-माँ को इस तरह देवी के रूप में पूजना और उसके सामने सजदा करना इस्लाम विरोधी (शिर्क) है। और अल्लाह के सिवा किसी को सजदा करना हराम है। इस विचारधारा का प्रतिनिधित्व खासतौर पर देवबंदी अथवा जमाअत-ए-इस्लामी से सम्बंधित अतिवादी वर्ग के लोग ही करते हैं। जबकि अधिकांश मुस्लिम राष्ट्रप्रेम का हिस्सा मानते हुये इसे गाते भी हैं। परन्तु राष्ट्रगान 'जन गण मन' का विरोध करने वाले हिंदूवादी विचारधारा से जुड़े लोग खासकर संघ व भाजपा वंदे मातरम को लेकर कांग्रेस पार्टी पर मुस्लिम परस्त होने का इलजाम लगाती रहती है। यही कोशिश गत दिनों संसद में ₹वंदे मातरम₹ पर चर्चा के दौरान देखने को भी मिली। खासकर इस चर्चा का ऐसे समय में होना जबकि अगले वर्ष बंगाल में चुनाव भी प्रस्तावित हैं, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिशों की तरफ इशारा करता है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने लोकसभा में 'वंदे मातरम' पर बहस के दौरान सरकार पर तीखा प्रहार करते हुये यह कहा भी कि राष्ट्रगान पर बहस की कोई जरूरत नहीं क्योंकि यह पहले से ही राष्ट्रगान है। प्रियंका गांधी ने भी यही दावा किया कि यह चर्चा बंगाल चुनावों को ध्यान में रखकर जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास है। उन्होंने 'वंदे मातरम' को भारत की आत्मा का हिस्सा बताया, जो गुलामी से जागरण का प्रतीक है और आधुनिक राष्ट्रवाद की अभिव्यक्ति है। उल्टे प्रियंका गांधी ने संविधान सभा में दो छंद अपनाने पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विरोध न करने का ही सवाल उठा कर भाजपा को ही घेरने की कोशिश की। राजयसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी सत्ता से सवाल किया कि जब भाजपा के पुरखे श्यामा प्रसाद मुखर्जी, मुस्लिम लीग के साथ बंगाल में सरकार चला रहे थे, तब आपकी देशभक्ति कहां थी? बहरहाल, इसी तरह के मुद्दों को उठाकर कांग्रेस को मुस्लिम परस्त बताने व हमेशा ही कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाने वाली भाजपा को कम से कम देश को एक बात यह भी बतानी चाहिये कि जिस दारुल उलूम देवबंद व जमाअत-ए-इस्लामी ने वंदे मातरम का विरोध किया था, जिस जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने 1937-39 में जारी अपने फतवे में वंदे मातरम को गाना 'हराम' बताया था। उसी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करने वाली अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से तो भारत बेहतर रिश्ते बनाने की तरफ आगे बढ़ रहा है? गत अक्टूबर माह में ही अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मौलवी आमिर खान मुत्तकी ने भारत का छह-दिवसीय दौरा किया। इस दौरे के दौरान मुत्तकी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की, जिसमें द्विपक्षीय व्यापार, मानवीय सहायता, शिक्षा और आर्थिक सहयोग पर चर्चा हुई। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अनुमति से संभव यह यात्रा भारत-अफगानिस्तान संबंधों को मजबूत करने का संकेत मानी गई। मुत्तकी ने अपने भारत प्रवास के दौरान केवल राजकीय यात्रा मात्र ही नहीं की बल्कि इस दौरान उन्होंने 11 अक्टूबर 2025 को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में स्थित दारुल उलूम देवबंद अर्थात अपने 'वैचारिक प्रेरणा केंद्र' का भी दौरा किया। यह वही दारुल उलूम देवबंद तो है जिसने वंदे मातरम के एक हिस्से को गाने का विरोध किया था? मुत्तकी ने अपने भारत दौरे के बीच दारुल उलूम देवबंद पहुंचकर व देवबंदी मसलक से जुड़े दारुल उलूम के उलेमा, छात्रों और अफगान छात्रों से मिकर केवल अपनी अतिवादी वैचारिक प्रतिबद्धता ही नहीं दोहराई बल्कि उन्होंने दिल्ली में ही आयोजित अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिलाओं को प्रवेश न देकर भी यह साबित कर दिया कि महिलाओं के प्रति इस सोच विचार के लोग कितनी असहिष्णुता का भाव रखते हैं। परन्तु आ र्य है कि भाजपा सरकार वंदे मातरम गायन का विरोध करने व इसे हराम बताने वाली विचारधारा व इसके रहनुमाओं को तो गले से लगाती है। इनके स्वागत में लाल कालीन बिछाती है परन्तु कांग्रेस पर वंदे मातरम विरोधी होने का आरोप मढ़ती है? परन्तु जब कांग्रेस संविधान सभा में इस गीत के दो छंद अपनाने पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विरोध न करने का सवाल उठाती है तो भाजपा बगलें झाँकने लगती है? आज देश बेरोजगारी व मंहगाई से बुरी तरह जूझ रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत रसातल तक पहुँच गयी है। 2012-13 के मध्य जब डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की कीमत 60-68 के बीच लुढ़क रही थी। उस समय नरेंद्र मोदी ने यूपीए सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुये कहा था कि ₹हमारी मुद्रा मृत्युशैया पर है, यह टर्मिनल स्टेज पर है और इसे तुरंत डॉक्टर की जरूरत है₹। उसी समय मोदी ने जोर देकर यह भी कहा था कि रुपये की गिरावट से प्रधानमंत्री की इज्जत गिरती है, क्योंकि रुपया केवल कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि देश की प्रतिष्ठा से जुड़ा होता है। उस समय मोदी ने इसे तत्कालीन यू पी ए सरकार की आर्थिक नाकामी करार दिया था। परन्तु आज तो 1 डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा 90 के करीब पहुँच चुकी है। आज देश की संसद में इसपर चर्चा क्यों नहीं होती? दरअसल मोदी सरकार ने अपनी पूरी ताकत देश का साम्प्रदायिक आधार पर ध्रुवीकरण करने में झोंक रखी है। खासकर चुनावों के समय ऐसी कोशिशों में और भी तेजी आ जाती है। बड़ा आ र्य है कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर राष्ट्रगान तक का विरोध करने वाले, गांधी की हत्या पर जश्न मनाने व मिठाइयां बांटने वाले, भारतीय संविधान को न पचा पाने वाले लोग आज सत्ता में आने के बाद बड़े ही शातिर तरीके से स्वयं को महान देशभक्त व धर्म के 'अभिरक्षक ' बनने की कोशिश कर रहे हैं। और देश के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाते हुये फांसी के फंदे पर झूलने व अंग्रेजों की यातनायें झेलने वाली कांग्रेस को वंदे मातरम विरोधी तो कभी मुस्लिम परस्त तो कभी पाक परस्त बातकर मुद्रा पतन से लेकर मंहगाई बेरोजगारी जैसे मूल मुद्दों से ध्यान भटकने की कोशिश करती रहती है। गत दिनों संसद में वंदे मातरम पर हुई चर्चा भी जनहितकारी मुद्दों से ध्यान भटकने की ऐसी ही एक कोशिश थी जिसमें वंदे मातरम को लेकर भाजपा की नीति और नीयत का अंतर साफ नजर आया।

7वीं नेशनल इंडो किक चैंपियनशिप में एम आर एस प्रनामी स्कूल के विराट मिश्रा ने चमकाया नाम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

शहर के एम आर एस प्रनामी स्कूल के होनहार छात्र विराट मिश्रा ने खेल के मैदान में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। 6 और 7 दिसंबर 2025 को जीवनी इंटरनेशनल स्कूल, चिड़ावा में आयोजित 7वीं नेशनल इंडो किक चैंपियनशिप 2025 में विराट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया।

Indo Kick Cum Federation के तत्वावधान में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के खिलाड़ियों के बीच जोरदार मुकाबले देखने को मिले। इन कड़े मुकाबलों में विराट मिश्रा का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा, जिसकी बदौलत उन्हें रजत पदक हासिल हुआ। इस उपलब्धि पर विद्यालय में विराट को मेडल पहनाकर एवं मोमेंट देकर सम्मान किया गया। जिसमें निदेशक अनिल दाधीच ने कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ी की कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विराट के जज्बे की सराहना की। विराट की इस शानदार उपलब्धि पर उनके कोच विक्रम सिंह और समूचे विद्यालय परिवार तथा अभिभावकों ने गहरी खुशी और गर्व व्यक्त किया है। सभी ने विराट के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में संस्था सचिव अरविंद दाधीच और प्रबंध निदेशक लेफ्टिनेंट आर डी शर्मा ने प्रतिभाशाली

खिलाड़ी विराट मिश्रा को मेडल और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। सचिव अरविंद दाधीच ने इस दौरान बताया कि विराट हमेशा से ही एक मेधावी, अनुशासित और संस्कारी छात्र रहे हैं। लेफ्टिनेंट आर डी शर्मा ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। इस अवसर पर अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी कैलाश कविया, निदेशक अनिल दाधीच,प्रधानाचार्या निहारिका शर्मा, अजय शर्मा, संजय बागड़ी, मनोज कुमार शर्मा, संदीप रोहिला, विजेंद्र चौहान, शंकरलाल भारतीय, हेमलता वर्मा, दीपक वर्मा, विनय शर्मा, विनोद शर्मा, खेमचंन्द, सुनीता डांगी, रीतिका जांगिड़, मोनिका, सुनीता डैला, सरोज शर्मा, सुनीता चौधरी, कंचन, रेखा जांगिड़, राकेश सैनी, राकेश मालसरीया, मनीषा शर्मा, अनिता शर्मा सहित एम आर एस परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे और विराट को बधाई दी। विद्यालय परिवार ने इस बड़ी उपलब्धि को विद्यालय और चिड़ावा क्षेत्र के लिए गर्व की बात बताते हुए विराट के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

एसआईआर कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर 236 कर्मचारी सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

खेतड़ी नगर के कॉपर क्लब में बुधवार को ब्लॉक स्तरीय सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह समारोह एसआईआर (सर) कार्यक्रम को निर्धारित समय सीमा के भीतर सफलतापूर्वक पूरा करने की उपलब्धि पर आयोजित किया गया, जिसमें 236 कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम सुनील कुमार चौहान थे, जबकि तहसीलदार सुनील कुमार और नायब तहसीलदार प्यारेलाल, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी दिलदार सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। समारोह की अध्यक्षता सीबीईओ अनुकंपा अरडावलिया ने की। अतिथियों ने विधिवत रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एसडीएम सुनील कुमार चौहान ने अपने संबोधन में एसआईआर कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एसआईआर कार्यक्रम एक राष्ट्रीय महत्व का कार्यक्रम था, जिसका प्राथमिक उद्देश्य राष्ट्र को सशक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा चलाए गए इस चुनौतीपूर्ण कार्यक्रम को समय पर पूरा करना एक बड़ी चुनौती थी। चौहान ने सभी बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और सुपरवाइजरों के

प्रयासों की दिल खोलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि इन सभी कर्मचारियों ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए टीम भावना के साथ कार्य किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए टीम भावना और लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत अत्यंत आवश्यक है।

कड़ी मेहनत से बनी मिसाल

अधिकारियों और कर्मचारियों की लगन की प्रशंसा करते हुए बताया गया कि कार्यक्रम की शुरुआत में प्रत्येक कर्मचारी के लिए निर्धारित समय में लक्ष्य पूरा करना एक महत्वपूर्ण कदम था। इसके लिए अधिकारियों ने अलग-अलग

सेक्टर बनाकर अनुभवी कर्मियों को सुपरवाइजर और सेक्टर प्रभारी नियुक्त किया था। उनकी कड़ी मेहनत और लगन के परिणामस्वरूप, सभी बीएलओ और कर्मचारियों ने निर्धारित समय में कार्य पूरा कर प्रदेश में एक मिसाल कायम की है।

236 कर्मचारियों को मिला प्रशस्ति पत्र

एसआईआर कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा होने पर कर्मचारियों के उत्साहवर्धन के लिए ऐसे समारोहों का आयोजन महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर कार्यक्रम में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 214 बीएलओ, 22 सुपरवाइजर और कार्यक्रम में लगे अन्य कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रोग्रामर यादव राम, दिलदार सिंह, एसीबीईओ राजेश कुमावत, अजय कुमार, ओमप्रकाश वर्मा, वीरेंद्र कश्यप, शशिकांत, राजेंद्र सिंह शेखावत, मदन सिंह, रमेश कुमार, इंद्राज सिंह, जितेंद्र सिंह, वेदप्रकाश, भीखाराम धायल, होशियार सिंह, सुरेश, गौरव कुमार सतरूप, राधेश्याम, थावरमल, सुमेर सिंह, विद्याधर ढाका, सुरेश नारवाल, राकेश जांगिड़ सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और कर्मचारी उपस्थित थे।

मांढन तहसील से जोड़ने वाली सड़क पर तीन तीन फीट गहरे गड्ढे, ग्रामीण परेशान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना उपखंड के ग्राम डाबडवास से मांढन की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर तीन तीन फीट गहरे गड्ढे बने हुए हैं, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एडवोकेट धर्मवीर सिंह चौहान ने बताया कि यह सड़क तहसील स्तर व हरियाणा सीमा तक पहुंचने और घीलोट औद्योगिक क्षेत्र सहित काठुवास स्थित कंटेनर डिपो

तक आने जाने का मुख्य मार्ग है। इस सड़क पर करीब छोटे बड़े दो हजार वाहन यहां से गुजरते हैं। इस मार्ग पर ढिकवाड, खुन्दरोठ, आनंदपुर, मंगलपुर, काठुवास, हुंडिया सहित करीब 15 गांव हैं जो इस सड़क से नौकरियों व काम धंधा करने के लिए औद्योगिक क्षेत्र घीलोट में आते हैं। ग्रामीण रामबीर सिंह, हनुमान सिंह, विजय सिंह ने बताया कि सार्वजनिक निर्माण विभाग को पत्र लिखकर अवगत भी करवा दिया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इस मार्ग पर गांव डाबडवास एवं ढाणी के बुजुर्ग व्यक्ति और महिलाएं व बच्चे सुबह घूमने के लिए आते हैं। सड़क पर बने इन बड़े बड़े गड्ढों के कारण परेशानी का सामना करना पड़ता है। हर रोज यहां दुपहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं।

नरहड़ गांव का लाल ITBP जवान अनिल चाहर शहीद

जालंधर में उपचार के दौरान ली अंतिम सांस, आज सुबह तिरंगा यात्रा के साथ नरहड़ पहुंचेगा पार्थिव शरीर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नरहड़/चिड़ावा।

चिड़ावा तहसील के नरहड़ गांव में शोक की लहर व्याप्त है। गांव के निवासी ITBP जवान अनिल चाहर (पुत्र बनवारी चाहर, उम्र 35 वर्ष) का जालंधर में कर्तव्य के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उपचार के दौरान वीरगति को प्राप्त हो गए। शहीद अनिल चाहर आईटीबीपी की 30वीं बटालियन, जालंधर में तैनात थे।अनिल चाहर अपने परिवार में पाँच बहनों के इकलौते भाई थे। वह अपने बूढ़े माता-पिता और बड़े परिवार में अकेले कमाने वाले थे। उनकी शहादत की खबर से पूरे गांव में गहरा शोक छा गया है। रामसिंह

बगरानिया ने बताया कि शहीद जवान का पार्थिव शरीर आज (गुरुवार) सुबह 10 बजे पिलानी के कल्पवृक्ष अस्पताल से तिरंगा यात्रा के रूप में रवाना होगा। यह यात्रा देवरोड़ होते हुए सुबह 11 बजे नरहड़ स्थित मोहम्मदिया जोहड़ पहुंचेगी, जहाँ राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

श्री जगन्नाथ ब्रह्मोत्सव: बच्चों ने दिखाया कला और प्रतिभा का कमाल

चित्रकला, कीर्तन और प्रश्नोत्तरी का आयोजन; स्कूल प्रनामी स्कूल के जिमनास्टिक प्रदर्शन ने मोहा मन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

चिड़ावा में चल रहे 22वें श्री जगन्नाथ ब्रह्मोत्सव रथयात्रा के तीन दिवसीय उत्सव के दौरान बुधवार को बच्चों की प्रतिभा और कला कौशल को समर्पित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुबह के सत्र में स्कूली बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कई विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में पीसीपी स्कूल की

अनिशा ने प्रथम स्थान, सेंट विवेकानंद स्कूल की दिव्यांशी ने द्वितीय स्थान और डीवीएम स्कूल की जिया ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके बाद, ऋषिकेश से पधारे संतों और महाराज के द्वारा बच्चों के साथ कीर्तन का मधुर आयोजन किया गया और फिर हवन किया गया। शाम के सत्र में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों से भगवान जगन्नाथ जी से संबंधित प्रश्न पूछे गए। बच्चों ने इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया और अपने ज्ञान का परिचय दिया।

इसके उपरांत, एम आर एस प्रनामी स्कूल, चिड़ावा के विद्यार्थियों द्वारा जिमनास्टिक का शानदार प्रदर्शन किया गया। बच्चों ने आग के गोले में से कूदना, पिरामिड बनाना, फॉरवर्ड रोल, रोल इन द बॉक्स जैसे रोमांचक करतब दिखाए, जिसने उपस्थित सभी दर्शकों का मन मोह लिया।कार्यक्रम का समापन बच्चों की डांस प्रतियोगिता के साथ हुआ। अंत में, सभी अव्वल विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा, प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को भी सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण विनय और प्रेम केडिया ने अपनी? धर्मपत्नियों के साथ बच्चों को प्रदान किए। इस अवसर पर नरेश-कुसुम शर्मा, गुंजन, कुसुम, शकुंतला, सानिया, सपना, उन्नति, निकिता, शीतल, प्रतिभा, कोशु, सुशीला, मुन्नी बाई, आदित्य, सुरेश झुंझुनूं वाला, पीयूष, पूजीत, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी कैलाश सिंह कविया, झण्डीप्रसाद हिम्मतरामका, सुरेंद्र पारिक, मनोहर लाल जांगिड़, अनिल दाधीच, अरविंद दाधीच, लेफ्टिनेंट आर डी शर्मा, सत्यनारायण चौधरी, सांवरमल उदयपुरिया, राकेश शर्मा सूरजगढ़, सुशील शर्मा, निवास वर्मा सहित काफी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय में मानवाधिकार पर सेमिनार का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय में मानवाधिकार दिवस पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. मुकेश कुमार शर्मा और डॉ. रमेश कुमार , सहायक आचार्य राजनीति विज्ञान विभाग,राजकीय कला महाविद्यालय, लक्ष्मणगढ़ थे। कार्यक्रम के विषय हमारा अधिकार हमारा भविष्य और मानवाधिकार: दशा व दिशा पर उन्होंने विचार अभिव्यक्त किए।हमारा अधिकार हमारा भविष्य वर्ष 2024 में मानवाधिकार दिवस की थीम रखी गई थी। उन्होंने बताया कि आज विश्व में शांतिपूर्ण, न्याय संगत और टिकाऊ भविष्य के लिए मानवाधिकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है,वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता निरंतर बनी हुई है और इन पर तत्काल कार्यवाही करने की आवश्यकता है। लोगों को मानवाधिकार को लेकर अपने सोच को बदलने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने मानवाधिकारों की रक्षा के लिए सरकार और प्रशासन की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अर्चना शर्मा ने अपने उद्बोधन में सभी मनुष्यों के लिए मौलिक और अविभाज्य अधिकार के रूप में मानवाधिकारों की उपयोगिता को महत्वपूर्ण बताते हुए

वर्तमान समय में जीवन जीने का अधिकार, स्वतंत्रता, समानता, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा आदि जैसे मौलिक अधिकार प्रत्येक नागरिक को प्राप्त होने, एवं सुरक्षित होने की बात पर जोर दिया। वर्तमान में शरणार्थी समस्या, गरीबी, बेरोजगारी, आवास,?सोशल मीडिया का दुरुपयोग, उत्पीड़न, शोषण जैसी समस्याएं मानवाधिकारों की प्रासंगिकता पर सवाल खड़े करती हैं ।अतः उनकी सुरक्षा के लिए राज्य की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।कार्यक्रम में समस्त छात्राएं व स्टाफ उपस्थित रहा।

चिड़ावा में खराब निर्माण कार्य पर उठे सवाल: छह माह में टूटे नाले और क्रॉसिंग

नगरपालिका के घटिया काम से राहगीर परेशान, पीयूष बाछुका ने अपनी देखरेख में करवाई साफ-सफाई और मरम्मत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

चिड़ावा नगर पालिका द्वारा कराए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर शहर में गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पिछले छह महीने के भीतर ही शहर के कई स्थानों पर नवनिर्मित नालियां और क्रॉसिंग टूटकर बिखर गए हैं, जिसके कारण राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण कार्यों की इस दयनीय स्थिति के मद्देनजर, शहर के जिम्मेदार नागरिकों ने अब अपने स्तर पर पहल शुरू कर दी है, ताकि दोबारा हो रही मरम्मत का काम कम से कम टिकाऊ हो सके। ऐसा ही एक उदाहरण कोर्ट के पास देखने को मिला, जहाँ टूटे हुए क्रॉसिंग की मरम्मत की जा रही थी। पीयूष बाछुका ने इस कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खुद साइट पर मोर्चा संभाला। उन्होंने अपनी देखरेख में निर्माण से पहले नाली और बेस की पूरी साफ-सफाई करवाई, ताकि नया निर्माण सही तरीके से जम सके और उसकी उम्र थोड़ी लंबी हो सके। बाछुका की इस पहल से यह उम्मीद जगी है कि यह मरम्मत कार्य शायद पिछली बार की

तरह जल्द ही न टूट जाए। मोहल्ले वासियों ने बाछुका की इस जिम्मेदारी भरी कार्रवाई की सराहना की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर सभी निर्माण कार्य इसी तरह जिम्मेदारी से किए जाएं और नागरिक निगरानी हो, तो सरकारी धन की बर्बादी और जनता की परेशानी रोकी जा सकती है।

इस घटना ने एक बार फिर नगर पालिका द्वारा निर्माण कार्यों में बरती जा रही लापरवाही और घटिया सामग्री के इस्तेमाल की पोल खोल दी है, जिस पर प्रशासन को तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

मानवाधिकार दिवस पर जागरूकता संगोष्ठी: महिला सुरक्षा व अधिकारों पर जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना, मानवाधिकार दिवस पर नीमराना में मानवाधिकार एवं महिला सुरक्षा संगोष्ठी का आयोजन हुआ। मानवाधिकार एवं महिला सुरक्षा पर केंद्रित एक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन बुधवार को नीमराना के एक होटल में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, वरिष्ठजन, सामाजिक कार्यकर्ता और संस्थान के पदाधिकारी मौजूद रहे। संगोष्ठी में वक्ता वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट वीर सिंह यादव, एडवोकेट प्रमोद यादव, एडवोकेट अशोक आर्य, एडवोकेट मुकेश निर्मल ने मानवाधिकारों की महत्ता, महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों की रोकथाम तथा समाज में सुरक्षा के माहौल को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान मंचासीन अतिथियों ने मानवाधिकार दिवस की सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मानवाधिकार सिर्फ कानून नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का मूल अधिकार है, जिसे सुरक्षित रखना

समाज की साझा जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में महिला वक्ताओं ने आत्मरक्षा, जागरूकता और कानूनी अधिकारों की जानकारी देते हुए उपस्थित महिलाओं को सशक्त बनने का संदेश दिया। आयोजकों की ओर से मानवाधिकार संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों एवं आगामी गतिविधियों की रूपरेखा भी साझा की गई। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन संगीता जोशी मानवाधिकार एवं महिला सुरक्षा ट्रस्ट अध्यक्ष MP, ममता हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष ने किया। बाबूलाल सोनी पूर्व सरपंच घीलौट राष्ट्रीय संयोजक मानवाधिकार अधिकार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गोपाल शर्मा, ट्रस्टी चंद्रपाल शर्मा, ममता झिंगावन जिला अध्यक्ष महेंद्रगढ़, के द्वारा कार्यक्रम में पहुंचे लोगों को तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान किया। इस अवसर पर हेमलता शर्मा, विजय गोस्वामी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, कविंदर सिंह राष्ट्रीय सलाहकार, बाबूलाल- राष्ट्रीय संयोजक, मगन सिंह, विजय भूकल - स्टेट प्रेसीडेंट हरियाणा, संगीता जोशी - स्टेट प्रेसीडेंट मध्य प्रदेश, जितेन्द्र शर्मा - स्टेट प्रेसीडेंट मध्य प्रदेश, कपिल स्टेट प्रेसीडेंट युवा मोर्चा, मोना शर्मा - प्रदेश उपाध्यक्ष एमपी सहित काफी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता मौजूद थे।

सांसद खेल महोत्सव में टोहाना की बजरंगबली बाक्सिंग अकैडमी ने जीते 13 स्वर्ण पदक -डायरेक्टर विनय वर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । बजरंगबली बॉक्सिंग अकैडमी टोहाना के बॉक्सरो ने सांसद खेल महोत्सव के तहत विधानसभा स्तर के बॉक्सिंग खेल मुकाबलाओं में 13 गोल्ड मेडल हासिल किये और ऐतिहासिक जीत हासिल की और जिला फतेहाबाद में अपना झंडा गाड़ दिया। जानकारी देते हुए बजरंगबली बॉक्सिंग अकैडमी टोहाना के संचालक विनय वर्मा और बॉक्सिंग कोच महेश कुमार डांगरा ने बताया कि अब 13 दिसम्बर को फतेहाबाद में सभी विजेता बॉक्सर लोकसभा सांसद खेल महोत्सव में भाग लेंगे। जिसमे लड़कों में सचिन कुमार, अवनीत, गुरप्रीत, पारस, कुणाल, कौशल, नवदीप, सौरभ, नीरज, वहीं लड़कियों में मानवी, मनप्रीत, पिंकी, और चांदनी इन सभी बच्चों का सिलेक्शन हुआ। वही इस जीत

पर अकादमी में खुशी का माहौल है वही सभी बॉक्सरों ने इस जीत का श्रेय अपने कोच महेश कुमार डांगरा को दिया। इस मौके पर बॉक्सिंग के पितामह रणधीर सिंह , पूर्व बॉक्सिंग कोच रणवीर सिंह, बजरंग मॉडल स्कूल संचालक विनय वर्मा, प्रिंसिपल अंजू वर्मा, बॉक्सिंग कोच जरनैल सिंह समैन,बॉक्सिंग कोच रीतु रंगा, बॉक्सिंग कोच आशीष कुमार,बॉक्सिंग कोच ज्योति वर्मा ,टोहाना बॉक्सिंग कोच राहुल संदीप बिश्नोई ठरवा, राकेश भाकर ,भी ने बच्चों को इस जीत पर बधाई दी ।

माधोसिंह पुरा में हिमांशु सैनी का आईआईटी में सलेक्शन होने पर स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना उपखंड के- ग्राम माधोसिंह पुरा के हिमांशु सैनी का आईआईटी में सलेक्शन होने पर ग्रामवासियों द्वारा एवं मैट्रिक्स एकैडमी सीकर द्वारा स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर हिमांशु सैनी ने अपना सफलता का श्रेय अपने पिताजी किरोड़ी सैनी, माताजी आरती सैनी एवं गुरुजनों को दिया। कार्यक्रम में ग्रामवासियों ने हिमांशु सैनी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर राधेश्याम सैनी, अमीलाल सैनी, कैलाश सैनी, बिरेंदर सैनी, जसराम सैनी, लालाराम हलवाई, बबलू, सुरेश, एडवोकेट धर्मवीर सिंह पूर्व सरपंच,

एडवोकेट रविंद्र सांमरिया, महावीर चर्खिया, संजय कुमार यादव, विजय सैनी, बलराम सैनी, महेश सैनी, अशोक सैनी, भारत सोनी, सतीश सैनी आदि ग्रामवासी उपस्थित रहे। मंच संचालन एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी कांग्रेस नगर अध्यक्ष नीमराना ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने हिमांशु सैनी के आईआईटी में सलेक्शन पर खुशी जताई और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

राजस्थान दिवस 2025: राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू की सक्रिय भागीदारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

प्रवासी राजस्थान दिवस-2025 के अवसर पर बुधवार को जयपुर के जेईसीसी में आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू ने शिरकत कर जिले के औद्योगिक हितों को मजबूती से आगे बढ़ाया। समिट में विधायक भांबू ने झुंझुनूं जिले के उद्योगपतियों एवं उद्यमियों व निवेशकों से मुलाकात कर उन्हें उद्योग स्थापना, विस्तार एवं जिला स्तर पर मिलने वाली सुविधाओं संबंधी यथा संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने निवेशकों

को झुंझुनूं में उपलब्ध संसाधन, औद्योगिक संभावनाएं और प्रशासनिक पारदर्शिता के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम का भव्य उद्घाटन राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव तथा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री एस. आर. पाटिल की मौजूदगी में किया गया। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में देश-विदेश के प्रमुख उद्योगपति, नीति निर्धारक और प्रतिनिधि शामिल हुए तथा राजस्थान में निवेश की नई संभावनाओं पर विस्तृत चर्चाएं हुईं। झुंझुनूं के लिए इस समिट को उद्योग व रोजगार के नए अवसरों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

महासर माता भाग्यनगर में बनने वाले गढ़ी महासर धाम माता मंदिर की पिंडी व अखंड ज्योत महासर धाम के लिए रवाना हुई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । महासर माता भक्त मंडल भाग्यनगर हैदराबाद की ओर से भाग्यनगर में बनने वाले गढ़ी महासर धाम माता मंदिर की पिंडी व अखंड ज्योत यात्रा महासर धाम से भाग्यनगर हैदराबाद के लिए रवाना हुई। माता के भक्तों ने ज्योति पद यात्रा निकाल कर हैदराबाद के लिए रवाना हुई यात्रा का अटेली कस्बे व अन्य स्थानों पर भव्य स्वागत हुआ। महासर माता के पूजारी संजय शास्त्री व श्रवण शर्मा ने पूजा अर्चना करवाई। महासर माता भक्त मंडल भाग्यनगर के प्रधान दिनेश कुमार,

राजकुमार अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल ने विशेष अखंड ज्योति को नेतृत्व किया। मंगलवार रात्रि को माता के स्थान पर जागरण हुआ। जिसमें हैदराबाद के आये पंकज ओझा ने माता महिमा का गुणगान किया। माता का भजन चलो बुलावा आया है, महासर मां ने बुलाया है, माता मायी जगदंबा महासर में वास करे, पर भक्त गण झूमने पर मजबूर हो गये। महासर माता भक्त मंडल भाग्यनगर से आये भक्त दिनेश अग्रवाल ने बताया कि अखंड ज्योत यात्रा हेतू खेमदास मठ, बेगम बाजार, हैदरबाद से वाय रोड हरिद्वार, नगरकोट, महासर से होते हुए 14 दिसंबर को सुबह भाग्यनगर पहुंचेगी। भाग्यनगर मेंश् माता का भव्य मंदिर होगा, जिसमें माता के भक्त अपनी तरफ अपना सहयोग कर रहे है। इस मौके पर नवरत्न कानोडिया, मनीष अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, रामपाल शर्मा, दिनेश सिंघल, राहुल जैन सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहें।

पिंक पखवाड़ा: FCM इंजेक्शन के जरिए एनीमिया रोकथाम में जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

अरुण कुमार । जिले में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से संचालित किए जा रहे पिंक पखवाड़ा के तहत जिले ने प्रदेश में सर्वाधिक गर्भवती महिलाओं को एनीमिया रोकथाम के इंजेक्शन लगाते हुए टॉप पर बना हुआ हैं। सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर ने बताया कि 1 दिसंबर से 9 दिसंबर तक जारी हुई रिपोर्ट में जिले ने 2066 महिलाओं को FCM के इंजेक्शन लगाए हैं जिसमें 1978 गर्भवती महिलाएं है। जो प्रदेश में सर्वाधिक है। प्रदेश में अब तक कुल 27510 गर्भवती महिलाओं को FCM के इंजेक्शन लगाए गए हैं। जिसमें सबसे ज्यादा जिले के चिकित्सा संस्थानों पर लगाए गए हैं। सीएमएचओ डॉ गुर्जर ने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए जिला कलक्टर डॉ अरुण गर्ग के निर्देशन में विशेष तैयारियां की गई। इसके लिए नोडल अधिकारी एवं आर सी एच ओ डॉ दयानंद सिंह द्वारा जिलेभर के चिकित्सकों को दिया गया प्रशिक्षण और किए गए सुपरविजन का नतीजा है कि जिले में ज्यादा से ज्यादा जरूरत मंद गर्भवती महिलाओं को FCM इंजेक्शन लगाए जा रहे।सीएमएचओ डॉ गुर्जर ने बताया कि इसके

लिए सभी जिला अस्पताल उप जिला अस्पताल के पीएमओ एवं उनकी पूरी टीम, सभी बीसीएमओ, सीएचसी पीएचसी प्रभारी से लेकर आशा सहयोगिनी तक के सभी विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों का योगदान है। उन्होंने जिले के इस बेहतरीन कार्य के लिए सभी का धन्यवाद देते हुए उम्मीद जताई कि पखवाड़ा खत्म होने पर जारी रिपोर्ट में भी जिला सम्भवत: प्रथम स्थान पर रहेगा। जिले की किसी गर्भवती महिला को खून की कमी के चलते किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

'वंदे मातरम् की पुकार, श्रमिक सुरक्षा का विस्तार' विषयक मल्टीमीडिया प्रदर्शनी सम्पन्न

योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाएं: आहूजा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, जोधपुर द्वारा आयोजित पांच दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी 'वंदे मातरम् की पुकार, श्रमिक सुरक्षा का विस्तार' का समापन बुधवार को हुआ। प्रदर्शनी का उद्देश्य केंद्र सरकार की जन-कल्याणकारी एवं श्रमिक सुरक्षा संबंधी योजनाओं की जानकारी को विद्यार्थियों तथा आमजन तक व्यापक रूप से पहुँचाना रहा। समापन समारोह में नगर निगम के उपायुक्त श्री यशपाल आहूजा ने कहा कि केंद्र सरकार देश के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि लाभ सीधे जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुँचे। उन्होंने कहा कि देश के विकास में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। शिक्षा और स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाते हुए समाज के सभी

वर्गों को समान अवसर प्रदान करना हम सभी का दायित्व है। मीडिया एवं संचार अधिकारी आशीष वर्मा ने बताया कि पाँच दिवसीय प्रदर्शनी के दौरान विद्यार्थियों सहित आमजन को विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही योजनाओं का वास्तविक लाभ सुनिश्चित करती है और इस प्रदर्शनी ने जन-जन तक जानकारी पहुँचाने में प्रभावी भूमिका निभाई है। इस अवसर पर सीएचओ डॉ मोनिका शर्मा, राजस्थान ग्रामीण बैंक के सहायक प्रबंधक मयंक मौर्य, नर्सिंग ऑफिसर अजय भाटी, सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज की डॉ. मोक्षारती, डॉ. अमित, शिक्षा विभाग के अशोक चौधरी एवं सहित अन्य शिक्षक, राजकीय महारानी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक सुरेश कुमार, मकुल अहमद उपस्थित रहें। प्रदर्शनी में राजीव गांधी नर्सिंग स्कूल, कोठारी नर्सिंग स्कूल, सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज, राजकीय सावित्रीबाई फुले महिला महाविद्यालय छात्रावास, महारानी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, बीपीएस स्कूल, बीकानेर पब्लिक स्कूल, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, राव तुलाराम राष्ट्रीय उन्नति उच्च माध्यमिक विद्यालय सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

जिला कांग्रेस कमेटी देहात, बीकानेर ने दिवंगत भागीरथ गोदारा को दी श्रद्धांजलि

रानी बाजार स्थित कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । जिला कांग्रेस कमेटी देहात, बीकानेर की ओर से बुधवार को 10 दिसंबर 2025 को रानी बाजार स्थित कार्यालय में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं शेरेरा सरपंच प्रतिनिधि स्व. भागीरथ गोदारा के असामयिक निधन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा जिलाध्यक्ष बिशनाराम सियाग की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। जिला संगठन मार्शल प्रहलाद सिंह ने बताया कि शोक सभा में देहात जिला कांग्रेस कमेटी के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनमें प्रमुख रूप से श्याम सिंह भाटी, श्रवण मदेरणा, गुमानाराम जाखड़, पृथ्वीराज कूकणा, शिव ओमप्रकाश गोदारा, प्रेमप्रकाश सारण, डॉ. प्रीति मेघवाल, महिपाल सारस्वत, रामदयाल बेनिवाल, लक्ष्मण गोदारा,

राजूराम मेहरड़ा, कन्हैयालाल जोशी, ख्यालीराम सुथार, जहूरदीन, एडवोकेट नन्दराम कासनिया, मूरली गोदारा, भंवरलाल कूकणा, शिवदान मेघवाल, शशिकला राठौड़, नीरू चौधरी, पूनमचन्द भाम्भू, मनोज सियाग, रामलाल, अभिजीत, तिलोक सिंह सोनियासर, महावीर बाना, ओमप्रकाश कस्वां, बीरबल मूंड, राजाराम सारण, शिवराज गोदारा, नितिन वत्सस, राहुल जादूसंगत, अकरम अली, सीताराम डूडी, राजपाल कुल्हरी, रामसिंह मेघवाल, आकाश लोहिया, रामस्वरूप गोठवाल, प्रेम गोदारा, शनीला खां, समीर सिकलीगर सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

टोहाना में धार्मिक स्थल के पास हुई घटना पर हिन्दू और सामाजिक संगठनो ने की सख्त कार्रवाई की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । सुंदर नगर क्षेत्र में धार्मिक स्थल के पास हुई कथित अशोभनीय हरकतों के मामले को लेकर हिन्दू संगठनों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में तय किया गया कि दर्ज हुई FIR को सही प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ाया जाए और दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। हिंदू संगठनो ने प्रशासन को दिया दो दिन का समय उसके बाद करी जायेगी महापंचायत ,बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों ने क्षेत्र में स्थित कुछ संरचनाओं और गतिविधियों की वैधता को लेकर भी चिंता जताई। हिंदू

संगठनो की ओर से प्रशासन से अनुरोध किया गया कि संबंधित स्थानों, दस्तावेज़ों और गतिविधियों की विधिक जाँच करवाई जाए और यदि कहीं अनियमितता पाई जाए तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए।इसके साथ ही बैठक में ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों के तहत बिना अनुमति चल रहे ऊँची आवाज़ वाले लाउडस्पीकरों की जांच और आवश्यक कदम उठाने की मांग भी रखी गई। सभी धार्मिक संगठन ने कहा कि सभी मुद्दों पर शांतिपूर्ण और विधिक तरीके से समाधान जरूरी है ताकि क्षेत्र में व्यवस्था और सौहार्द बना रहे।इसअ मीटिंग मे मन्दिर कमेटियों के प्रधान और सदस्य एवम अन्य समाजिक और धार्मिक संगठनो के प्रधान व सदस्य उपस्थित रहें।

नशे के खिलाफ अब पुलिस करेगी सख्त कार्रवाई

नार्को कॉर्डिनेशन कमेटी की बैठक आयोजित

'स्कूलों में नशा रोकथाम को लेकर भाषण व वाद-विवाद प्रतियोगिता करें आयोजित'

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में नशीले पदार्थों की रोकथाम एवं नियंत्रण को लेकर बुधवार को नार्को कॉर्डिनेशन कमेटी की बैठक आयोजित की गई। एडीएम सिटी श्री रमेश देव की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई इस बैठक में नशा तस्करी, अवैध शराब, ड्रग्स की रोकथाम तथा जनजागरूकता के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत समीक्षा की गई?। एडीएम सिटी ने कहा कि नशीले पदार्थों का अवैध व्यापार समाज के लिए गंभीर चुनौती है, जिसे नियंत्रित करने के लिए विभागों के बीच मजबूत समन्वय आवश्यक है। उन्होंने पुलिस, मेडिकल, शिक्षा एवं सामाजिक न्याय विभाग को संयुक्त रूप से सूचना तंत्र मजबूत करने, संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने और स्कूल-कॉलेज स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम बढ़ाने के निर्देश दिए।साथ ही स्कूलों में नशे के विरुद्ध चेतावनी बोर्ड लगवाने और स्कूलों के आस पास नशा नहीं बिकने को लेकर पुलिस कार्रवाई करने के निर्देश दिए। देव ने कहा कि व्यास कॉलोनी जैसे पॉश इलाके में छोटे छोटे बच्चे नशे करते नजर आ जाते हैं। उन्होंने युवा पीढी में नशे की रोकथाम हेतु विद्यालयों में प्रार्थना के समय तथा सप्ताह में एक दिन भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगी आयोजित करवानें तथा नशे की रोकथाम हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश प्रदान किये।

नशा तस्करी में लिप्त तत्वों पर सख्ती से कसी जाएगी नकेल

एडिश्नल एसपी चक्रवर्ती सिंह राठौड़ ने नशे के खिलाफ जिले में हाल ही में की गई कार्रवाईयों, बरामदगी और गिरफ्तारी के मामलों की जानकारी देते हुए कहा कि नशा तस्करी में लिप्त तत्वों पर सख्ती से नकेल कसी जाएगी।। उन्होंने बताया कि बॉर्डर क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखते हुए गश्त और इंटेलिजेंस नेटवर्क को और सुदृढ़ किया जाएगा। राठौड़ ने आमजन से भी अपील करते हुए कहा कि अगर कहीं नशा बिक रहा है तो उसकी जानकारी पुलिस के नशा विरोधी हेल्पलाइन नंबर पर सूचित करें। जानकारी देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। कोई भी व्यक्ति अवैध मादक पदार्थों के खरीदने या बेचने की सूचना इस नंबर पर बेझिझक साझा कर सकते हैं। इसके अलावा नशा मुक्त भारत अभियान हेल्पलाइन नंबर-14446 पर भी कॉल किया जा सकता है। बैठक में शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों में आयोजित जनजागरूकता गतिविधियों तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा नशा मुक्ति अभियानों की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई। बैठक में एडिश्नल एसपी सिटी श्री चक्रवर्ती सिंह राठौड़, आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. सागरमल शर्मा, सहायक दवा निरीक्षक देवेन्द्र कुमावत, समाज कल्याण अधिकारी नन्दकिशोर, चिकित्सा विभाग से डॉ. रविन्द्र उपस्थित रहे।

स्कूल भेजते वक्त बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावक रहें सतर्क: एसपी फतेहाबाद सिद्धांत जैन आइपीएस

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस ने जिला वासियों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को स्कूल भेजते समय पूरी तरह सतर्क और जागरूक रहें । हाल ही में कुछ स्थानों पर ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं, जिनमें अज्ञात व्यक्ति नकली वैन / गाडी का उपयोग कर बच्चों को ले जाने का प्रयास करते हैं। एसपी जैन ने बताया कि स्कूली बच्चों की गाड़ियों के समय से पहले कोई अन्य वैन आकर हॉर्न बजाती है और स्वयं को असली ड्राइवर का परिचित बताकर बच्चों को अपने साथ ले जाने की कोशिश करती है। अभिभावकों की सतर्कता ही इस प्रकार की संभावित घटनाओं से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है । उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावक और स्कूल प्रबंधन दोनों को सजग रहना होगा। ड्राइवर या गाड़ी? 'अभिभावक सतर्क रहें,

अनजान वैन / ड्राइवर के साथ बच्चों को न भेजें, स्कूल प्रबंधन समय-समय पर ड्राइवर और गाड़ी की जानकारी साझा करें। संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत पुलिस को सूचित करें, बदलने की स्थिति में इसकी जानकारी समय रहते सभी अभिभावकों को दी जानी चाहिए। इसके साथ ही, स्कूल प्रबंधन को अपने-अपने व्हाट्सएप ग्रुप्स या अन्य माध्यमों से नियमित रूप से ड्राइवर और गाड़ी की जानकारी साझा करनी चाहिए। पुलिस अधीक्षक अभिभावकों से कहा कि बच्चों को यह जरूर समझाएँ कि वे किसी अनजान व्यक्ति की बातों में न आएँ और गाड़ी में बैठने से पहले पहचान की पुष्टि करें। उन्होंने कहा कि यदि कोई संदिग्ध गाड़ी या व्यक्ति बच्चों को अपने साथ ले जाने का प्रयास करता है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। फतेहाबाद पुलिस की एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में नागरिक तुरंत 112 नंबर नजदीकी या पुलिस थाने से संपर्क करें। बच्चों की सुरक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है, और थोड़ी सी सतर्कता किसी बड़ी घटना को रोक सकती है।

एसपी जैन ने नागरिकों से अपील की है कि इस संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाएँ ताकि सभी जागरूक रहें और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। आपकी सतर्कता ही आपके बच्चों की सुरक्षा है।

कामरेड त्रिलोक सिंह की 27वीं पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि की अर्पित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

जाट बोर्डिंग हाउस संस्थान स्थित कामरेड त्रिलोक सिंह की समाधि स्थल पर 27वीं पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।संस्थान के प्रेस सचिव हरिराम मील ने बताया कि बुधवार समाधि स्थल पर संस्थान अध्यक्ष गणेश बेरवाल, पूर्व विधायक पेमाराम, सुरेश थालोड़ ,हरिराम मील, भगवान सहाय ढाका, सुभाष जाखड़,विजेंद्र ढाका, रुड सिंह महला, पन्नालाल, मंगल सिंह माडोता ,डॉक्टर युद्धवीर सिंह महला आदि ने कॉमरेड त्रिलोक सिंह को अपना आदर्श मान कर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की तथा कामरेड त्रिलोक सिंह के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

स्कूल में बच्चों को वितरित किए ब्लैजर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय फागलवा में लालचंद छापरवाल ने स्कूल के 62 विधार्थियों को सर्दी से बचाव के लिए ब्लैजर वितरित किए। इस अवसर पर संस्था की ओर से लालचंद छापरवाल का साफा पहनाकर कर स्वागत किया। कार्यक्रम में संस्था प्रधान परमेश्वरी , प्राचार्य सुनील कुमार मीणा, श्रीमती एकता,एसएमसी अजीर खां, पूर्व अध्यक्ष सुमेर सिंह, शिक्षक बलदेव काला, विमला देवी,जगन सिंह पिंकी देवी,रामेशवरी रेवाड,सिगमा पाराशर,कुमारी संतु सहित विद्यालय स्टाफ व विधार्थी मौजूद थे।

अमर शहीद मोहन सिंह ख्यालिया के 54वें शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

नरोदड़ा ग्राम में बुधवार को अमर शहीद मोहन सिंह ख्यालिया के 54वें शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन शहीद वीरांगना देऊ देवी एवं उनके परिवार द्वारा किया गया ।जिसमें नरोदड़ा पंचायत के सभी पूर्व सैनिकों का महत्वपूर्ण एवं सक्रिय सहयोग रहा।श्रद्धांजलि सभा में नरोदड़ा गांव के नागरिकों के साथ-साथ पूरी तहसील के पूर्व सैनिकों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और शहीद के अतुलनीय शौर्य, साहस और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम में कर्नल ब्रिजेंद्र सिंह महला, जिला सैनिक अधिकारी, पूर्व सैनिक रामस्वरूप महला, सूबेदार रणजीत सिंह गढ़वाल, शहीद वीरांगना भंवरी देवी खींवासर, पूर्व सरपंच सूबेदार भागीरथ सिंह डुडवा, पूर्व सरपंच महावीर मातवा मानासी, सरपंच महेंद्र ख्यालिया नरोदड़ा, डाइरेक्टर सुभाष नरोदड़ा,शिक्षाविद् रामसिंह शिवरान मंचस्थ अतिथि थे।इस अवसर पर सूबेदार दान सिंह, कैप्टन भागीरथ सिंह, हवलदार सादुल खान, सूबेदार महिपाल, सूबेदार जगेंद्र सिंह, हवलदार संसार सिंह, सूबेदार जमालुदीन, हवलदार मांगीलाल , सूबेदार छत्तर खान, सूबेदार गोपाल बुडानिया, कैप्टन गोरधन भूरिया, सूबेदार भवानी दत्त , कैप्टन कान सिंह , रणबीर सिंह गढ़वाल, कैप्टन मदन सिंह, सूबेदार सुरेन्द्र, सूबेदार रविन्द्र, हवलदार सुरेन्द्र सिंह (भायो), इंस्पेक्टर घीसाराम , कमांडेंट मदन सिंह बगड़िया, हवलदार बिजेंद्र सिंह खरा, अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल कोच लेफ्टिनेंट शमशेर अली, शिशुपाल चलका, सूबेदार फूल सिंह शेखावत सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक एवं ग्रामीणों ने कार्यक्रम में सहभागिता की और शहीद को श्रद्धासुमन अर्पित किए।कार्यक्रम के अंत में शहीद परिवार एवं पूर्व सैनिक वेल्फेयर समिति ने सभी पूर्व सैनिकों, ग्रामीणजनों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं आगंतुकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

अशोक पारीक: शेखावाटी में उद्यमशीलता के प्रेरक, खनन से लेकर कानूनी विशेषज्ञता तक व्यापक पहचान

राजस्थान राइजिंग कार्यक्रम में व्यक्त किए विचार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.श्रीमाधोपुर।

खनन, मिनरल्स, मार्बल, ग्रेनाइट, पेट्रोलियम, फूड इंडस्ट्रीज से लेकर कानूनी सलाहकार के रूप में अपनी अलग पहचान बनाने वाले श्रीमाधोपुर निवासी अशोक पारीक राजस्थान ही नहीं, पूरे शेखावाटी क्षेत्र के लिए गौरव का विषय हैं। राजस्थान राइजिंग कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान हमारे संवाददाता से विशेष बातचीत में उन्होंने उद्यमशीलता, चुनौतियों और नवाचार पर विस्तृत विचार साझा किए। अशोक पारीक उपभोक्ता आयोग में सीकर और अलवर जिले में सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। साथ ही वे भारतीय जनता पार्टी उद्योग प्रकोष्ठ, सीकर जिले के जिला संयोजक भी रह चुके हैं। क्षेत्र में उद्यमशीलता को लेकर उनका मार्गदर्शन अत्यंत सटीक और उपयोगी माना जाता है, जिसके चलते शेखावाटी के कई क्षेत्रों में नए नवाचार शुरू हुए हैं। पारीक का मानना है कि 'उद्यमशीलता एक प्रक्रिया है, जिसमें नए विचारों को पहचानकर उन्हें व्यवसाय या परियोजना में बदला जाता है। इसमें जोखिम उठाने से लेकर संसाधनों को व्यवस्थित करने और चुनौतियों का सामना करते हुए कार्य को विकसित करने की क्षमता शामिल है।' उनके अनुसार उद्यमशीलता सिर्फ नया बिज़नेस शुरू करना नहीं, बल्कि नवाचार, जोखिम प्रबंधन और आर्थिक विकास को गति देने की शक्ति है, जो रोजगार के नए अवसर पैदा करती है।

अवसरों की पहचान और नवाचार को देते हैं महत्व

अशोक पारीक बताते हैं कि एक सफल उद्यमी बाजार की जरूरतों को पहचानकर उनके समाधान के लिए विचार लाता है। उन्हें हकीकत में बदलने के लिए वित्तीय और व्यक्तिगत जोखिम भी उठाता है। नए उत्पाद, सेवाएं या

व्यावसायिक मॉडल लाना और संसाधनों का प्रभावी प्रबंधन उद्यम का आधार माना जाता है।

शेखावाटी में उद्यमशीलता की चुनौतियां

पारीक के अनुसार राजस्थान, विशेषकर शेखावाटी में उद्यमशीलता को कई तरह की चुनौतियों से गुजरना पड़ता है। वे कहते हैं कि बाधाओं और असफलताओं से सीख कर आगे बढ़ना ही सफलता की कुंजी है। अशोक पारीक का स्पष्ट कहना है 'उद्यमशीलता की सफलता नेतृत्व पर निर्भर करती है। एक अच्छा नेता टीम बनाता है, उसे प्रेरित करता है और अपने विज़न को साकार करने की दिशा में कार्य करता है।' शेखावाटी में नए अवसर और नवाचारों को बढ़ावा देने में अशोक पारीक की भूमिका लगातार सराहनीय मानी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

पवन ऊर्जा को लेकर ट्रंप के फैसले पर अदालत ने लगाई रोक

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के एक संघीय जज ने सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप के पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर रोक लगाने वाले कार्यकारी आदेश को खारिज कर दिया। मैसाचुसेट्स डिस्ट्रिक्ट के यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की जज पैटी सारिस ने पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर रोक लगाने वाले ट्रंप के 20 जनवरी के कार्यकारी ऑर्डर को खारिज कर दिया और इसे गैर–कानूनी घोषित कर दिया। जज ने कहा कि संघीय जमीन और पानी पर पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट की लगभग सभी लीजिंग को रोकने का आदेश मनमाना है और यह अमेरिकी कानून का उल्लंघन है। सारिस ने न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल लेटिसिया जेम्स के नेतृत्व में 17 राज्यों और वाशिंगटन, ष्ट्र के स्टेट अटॉर्नी जनरल के एक समूह की संयुक्त याचिका के पक्ष में फैसला सुनाया, जिसने ट्रंप के उस ऑर्डर को चुनौती दी थी जिसमें पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट्स के लिए लीजिंग और परमिट देने पर रोक लगा दी थी। ट्रंप अक्षय ऊर्जा के खिलाफ रहे हैं और बिजली बनाने के लिए जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को प्राथमिकता देते हैं। मैसाचुसेट्स अटॉर्नी जनरल एंड्रिया जॉय कैंपबेल ने इस फ़ैसले को हरित नौकरियों और अक्षय ऊर्जा की जीत बताया।

फ्लोरिडा के गवर्नर ने मुस्लिम नागरिक अधिकार समूह को आतंकी संगठन घोषित किया

फ्लोरिडा , एजेंसी। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने सोमवार को अमेरिका के सबसे बड़े मुस्लिम नागरिक अधिकार समूह को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया। डेसेंटिस ने काउंसिल ऑन अमेरिकन–इस्लामिक रिलेशंस और मुस्लिम ब्रदरहुड के खिलाफ एक कार्यकारी आदेश दिया है। हालांकि अमेरिकी सरकार ने अभी तक काउंसिल ऑन अमेरिकन–इस्लामिक रिलेशंस और मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकी संगठन घोषित नहीं किया है। यह आदेश फ्लोरिडा की एजेंसियों को निर्देश देता है कि वे दोनों समूहों और उन्हें सामान देने वालों को किसी स्टेट एग्जीक्यूटिव या कैबिनेट एजेंसी से कॉन्ट्रैक्ट और फंड लेने से रोकें। वहीं ष्ट्वक्र्रने डेसेंटिस पर इसके लिए मुकदमा करने की बात कही है। मुस्लिम ब्रदरहुड की स्थापना लगभग एक सदी पहले मिस्र में हुई थी और इसकी दुनिया भर में ब्रांच हैं। इसके नेताओं का कहना है कि इसने दशकों पहले हिंसा छोड़ दी थी और अब यह चुनावों और दूसरे शांतिपूर्ण तरीकों से इस्लामी राज स्थापित करना चाहता है। आलोचक, जिनमें पश्चिम एशिया इलाके की तानाशाह सरकारें भी शामिल हैं, इसे एक खतरा मानते हैं।

अफगानों पर पाकिस्तान के हमलों की निंदा

काबुल, एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान की ओर से अफगान नागरिकों पर किए गए ताजा हमलों की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक ब्रीफिंग में कहा, हम सीमा पर हुई झड़पों की खबरों से अवगत हैं, जिनमें कई अफगान नागरिक मारे गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत, अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और स्वतंत्रता का दृढ़ता से समर्थन करता है। यह हमला दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम समझौते के दो महीने से भी कम समय बाद हुआ है।

संसद पुनर्स्थापना की मांग पर नेपाली कांग्रेस पहुंची शीर्ष कोर्ट

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में प्रतिनिधि सभा की पुनर्स्थापना की मांग पर नेपाली कांग्रेस (नेकां) भी सुप्रीम कोर्ट गई है। पार्टी के मुख्य सचेतक श्याम घिमिरे ने बताया कि कांग्रेस ने वकील के जरिये पूर्व महान्यायाधिवक्ता खम्म खाती को इसी मांग पर सुप्रीम कोर्ट भेजा है। खाती कांग्रेस के निर्वाचन समिति संयोजक भी हैं। घिमिरे ने कहा, संसद पुनर्स्थापना की मांग हमारे लिए बेहद जरूरी है। इससे पहले नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) भी इसके लिए रिट याचिका दायर कर चुकी है।

पाकिस्तान : सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में छह आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में छह आतंकवादियों को मार गिराया, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। गोलीबारी में एक सुरक्षा अधिकारी भी मारा गया और तीन घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों के खिलाफ यह ऑपरेशन अफगानिस्तान की सीमा से सटे मोहमंद कबायली जिले के सोरन दर्रा इलाके में शुरू किया गया था। गोलीबारी थमने के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया और तलाशी अभियान शुरू किया।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कानासर में 'माटी की बात बच्चों के साथ' कार्यक्रम सम्पन्न

हिन्दुजा लीलेंड फाइनेंस की सतत् जल प्रबंधन परियोजना के तहत हुई जागरूकता गतिविधि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.कानासर/जोधपुर।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कानासर में हिन्दुजा लीलेंड फाइनेंस द्वारा प्रायोजित सतत् जल प्रबंधन परियोजना के अंतर्गत सोमवार को 'माटी की बात बच्चों के साथ' शीर्षक से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उन्नत कृषि तकनीकों, मृदा स्वास्थ्य तथा विश्व मृदा स्वास्थ्य सप्ताह के महत्व से अवगत कराना था।कार्यक्रम में छात्रों को मृदा स्वास्थ्य, सतत कृषि तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। मृदा संरक्षण के सरल उपायों की जानकारी देते हुए जैविक पदार्थ बढ़ाने एवं रासायनिक उर्वरकों के सीमित उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। छात्रों की समझ को और मजबूत बनाने के लिए मृदा स्वास्थ्य पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई, जिसे विद्यार्थियों ने बड़ी रुचि के साथ देखा। कार्यक्रम के दौरान नारा लेखन गतिविधि (स्लोगन राइटिंग एक्टिविटी) भी आयोजित की गई, जिसमें लगभग 100 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने मृदा संरक्षण, जैविक खेती और पर्यावरण बचाओ जैसे विषयों पर संदेशपूर्ण पोस्टर एवं नारे तैयार किए। इस अवसर पर परियोजना कोर्डिनेटर सिद्धार्थ शुक्ला, धर्मेन्द्र जोशी, दुर्गा जयपाल और मोहम्मद स्नान सहित परियोजना टीम के सदस्य उपस्थित रहे। विद्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण तथा भावी पीढ़ी में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

फैमिली कोर्ट की प्रिंसिपल जज शिखा का टोहाना बार एसोसिएशन ने किया अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना स्थित परिवार विवाद (फैमिली कोर्ट)अदालत की जज नताशा शर्मा के स्थांतरित होने के बाद नवनियुक्त जज शिखा का टोहाना की फैमिली कोर्ट में बतौर प्रिंसीपल जज फैमिली कोर्ट टोहाना में नियुक्ति हुई जहां वे सप्ताह के हर बुधवार को फतेहाबाद से कैंप कर टोहाना में ही आती है।आज बार एसोसिएशन सैंट्रल हाल टोहाना में जज शिखा के नवनियुक्त होने पर अभिनन्दन किया गया इस अवसर पर टोहाना के वरिष्ठ जज हर्ष कुमार सिह एसडीजेएम,जज डॉ मुकेश कुमार जेएमआईसी भी अभिनन्दन समारोह में शरीक हुए।इस अवसर पर बार एसोसिएशन टोहाना के ज्यादातर अधिवक्ता गण मौजूद रहे तथा बार एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति में अभिनन्दन समारोह में जज शिखा ने अपने सम्बोधन में टोहाना फिर एसोसिएशन का धन्यवाद किया तथा हर तरह के कानूनी कार्यवाही में सहयोग का आश्वासन दिया।समारोह में महिला अधिवक्ता सुमन तेहरी ने सभी महिला अधिवक्ताओं की तरफ से विशेष अभिवादन किया व जज शिखा के उज्जवल भविष्य की कामना की, महिलाओं में मुकेश मान पातड,अमन प्रीत कौर,आनूपा शर्मा इत्यादि ने व वरिष्ठ अधिवक्ताओं में सुभाष गर्ग , नन्द लाल गर्ग, सतपाल सिंगला, सत्यवान डुल्ट, अमित सैनी ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सभा में मंच संचालन बार एसोसिएशन के सह सचिव एडवोकेट अंकित भालोठिया ललौदा ने किया।

जिला अस्पताल में नए प्रसव कक्ष का लोकार्पण

लॉयंस क्लब का सामाजिक सरोकार : प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार और लॉयन सुमेर चंद जैन ने किया उद्घाटन

अस्पताल की प्रसव क्षमता में होगा दोगुना इजाफा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । लॉयंस क्लब ने सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए एसडीएम जिला अस्पताल में नए सुसज्जित प्रसव कक्ष (लेबर रूम) की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। क्लब द्वारा आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किए गए इस नवीन लेबर रूम का लोकार्पण बुधवार को सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा तथा पूर्व प्रांतपाल प्रो. लॉयन सुमेर चंद जैन द्वारा किया गया। प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार ने जिला अस्पताल में भामाशाहों एवं दानदाताओं द्वारा दिए जा रहे निरंतर सहयोग की सराहना करते हुए लॉयंस क्लब टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर लॉयंस क्लब बीकानेर द्वारा प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार एवं अधीक्षक डॉ. सुनील हर्ष का सम्मान भी किया गया।

अधीक्षक डॉ. सुनील हर्ष ने बताया कि जिला अस्पताल में पिछले एक वर्ष के दौरान सामान्य एवं सिजेरियन प्रसवों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, जिसके चलते वर्तमान लेबर रूम अपर्याप्त साबित हो रहा था। वर्तमान में प्रतिमाह लगभग डेढ़ सौ प्रसव अस्पताल में करवाए जा रहे हैं। इस आवश्यकता को देखते हुए लॉयंस क्लब के दानदाताओं को नए लेबर रूम के लिए प्रेरित किया गया। संरक्षक एमजेएफ लॉयन रामदेव राठी, पूर्व अध्यक्ष लॉयन अशोक बंसल एवं वर्तमान अध्यक्ष लॉयन राजेश मिढ्ढा सहित टीम ने पहल करते हुए पाँच लेबर टेबल क्षमता वाले इस आधुनिक कक्ष को आवश्यक उपकरण प्रदान किए। इससे अस्पताल की प्रसव क्षमता दोगुनी हो जाएगी तथा बीकानेर शहरी क्षेत्र सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों की गर्भवती महिलाओं को बेहतर और त्वरित सेवाएँ मिल सकेंगी। उल्लेखनीय है कि संस्थागत प्रसव की सुविधा उपलब्ध करवाने में यह जिला अस्पताल, पीबीएम अस्पताल के बाद दूसरे स्थान पर आता है।

इस अवसर पर स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. राजश्री चालिया ने संस्थागत प्रसवों में बढ़ोतरी की जानकारी प्राचार्य को देते हुए आपातकालीन सिजेरियन सेवाओं को और सुदृढ़ करने हेतु अतिरिक्त स्टाफ की आवश्यकता जताई, जिस पर प्राचार्य ने जल्द ही संसाधन उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। वर्तमान में जिला अस्पताल में तीन पूर्णकालिक स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ सेवाएँ दे रहे हैं, जिससे प्रसूताओं को लाभ मिल रहा है और पीबीएम अस्पताल का कार्यभार भी कम हो रहा है।

कार्यक्रम में गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. मोनिका रंगा, डॉ. सुमन शेखावत, डॉ. गुलाब खत्री, डॉ. अमित अरोड़ा, डॉ. हरनीत, डॉ. गुफरान, सचिव लॉयन पवन चांडक, कोषाध्यक्ष लॉयन सुनील रामावत, नर्सिंग ऑफिसर सुरभि, रुपाराय, अमित वशिष्ठ, राकेश जाजू, गोपी किशन पेड़ीवाल, राजेंद्र कुमार सोनी, मधु खत्री, सुरेश खत्री, आशीष राठी, जतिन असावा, नथमल पारीक, शुभम चारण सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आगमन को लेकर उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने की समीक्षा बैठक

13 दिसंबर को एमएम कॉलेज फतेहाबाद में होगा सांसद खेल महोत्सव का ग्रैंड फिनाले

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 13 दिसंबर को फतेहाबाद पहुंचेंगे, जहां वे एमएम कॉलेज मैदान में आयोजित सांसद खेल महोत्सव के ग्रैंड फिनाले में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद सुभाष बराला करेंगे। मुख्यमंत्री के इस महत्वपूर्ण दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी संबंध में उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बुधवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में जिला के सभी विभागों के अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम और जिले में प्रस्तावित विकास परियोजनाओं के शिलान्यास व उद्घाटन को लेकर विभागवार विस्तृत समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री का यह दौरा फतेहाबाद जिला के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी विभाग अपनी तैयारियों को समयबद्ध, सटीक और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यक्रम की तैयारियों में किसी भी प्रकार की कमी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सांसद खेल महोत्सव के ग्रैंड फिनाले के लिए मैदान में मंच, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधाएं, एम्बुलेंस, मीडिया प्रबंधन, हेलीपेड, बिजली आपूर्ति सहित अन्य सभी व्यवस्थाओं को मजबूत करने को कहा। एडीसी, एसडीएम, पुलिस प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, खेल विभाग, नगर परिषद सहित सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री इस दिन फतेहाबाद जिले की कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे, जिनसे जिले में विकास की नई गति आएगी। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं का लोकार्पण या शिलान्यास होना है, उनकी स्थल रिपोर्ट, तकनीकी कार्यवाही और अन्य तैयारी समय से पहले पूर्ण कर ली जाए। बैठक में खेल विभाग ने खेल महोत्सव की अब तक की प्रगति, विभिन्न प्रतियोगिताओं, प्रतिभागियों की संख्या और समापन समारोह की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। उपायुक्त ने कहा कि समापन समारोह को सफल, भव्य और गरिमापूर्ण तरीके से आयोजित किया जाए तथा मुख्यमंत्री के स्वागत और कार्यक्रम संचालन में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। बैठक में एडीसी अनुराग ढालिया, एसडीएम आकाश शर्मा, राजेश कुमार, सुरेंद्र सिंह, जिप सीईओ सुरेश कुमार, सीटीएम गौरव गुप्ता, डीएसपी जगदीश काजला, जिला राजस्व अधिकारी श्याम लाल, डीडीपीओ अनूप सिंह, उपनिदेशक अमित पंवार, डीईओ संगीता बिश्नोई, डीएसओ विष्णुदास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खेतड़ी में एसआईआर कार्य सफलता का जश्न 236 बीएलओ व सुपरवाइजर सम्मानित

एसडीएम बोलेः 'खेतड़ी टीम ने कर दिखाया मिसाल '

भीम प्रज्ञा न्यूज़ खेतड़ी नगर।

खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र में विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) कार्यक्रम को समय पर और सफलता पूर्वक संपन्न करने पर उपखंड स्तरीय बीएलओ एवं सुपरवाइजर सम्मान समारोह बुधवार को कोपर्स क्लब, खेतड़ी नगर में भव्य रूप से आयोजित हुआ।

मुख्य अतिथि खेतड़ी एसडीएम सुनील कुमार चौहान थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में तहसीलदार सुनील कुमार, नायब तहसीलदार प्यारेलाल, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी दिलदार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीबीईओ अनुकंपा अरडावतिया ने की तथा संचालन रमाकांत शर्मा ने किया।

एसआईआर की चुनौतियों पर अनुभव साझा टीम भावना को दिया महत्व

समारोह में एसआईआर कार्य के दौरान आई चुनौतियों, समाधान और टीम मोटिवेशन की महत्ता पर विस्तार से चर्चा की गई। टीम लीडरों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सटीक डेटा संकलन, तकनीकी कार्यों और समयबद्धता को निभाना एक कठिन जिम्मेदारी थी, जिसे टीम ने मिलकर सफलता से पूरा किया।

खेतड़ी टीम ने किया सराहनीय कार्यः एसडीम चौहान

मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी सुनील कुमार चौहान ने कहा– 'खेतड़ी क्षेत्र की पूरी टीम ने चुनौती को अवसर में बदलते हुए निर्धारित समय में उत्कृष्ट कार्य कर दिखाया है। यह उपलब्धि आपकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और जिम्मेदारी का परिणाम है। पूरे क्षेत्र को आप सब पर गर्व है। ' उन्होंने टीम की सामूहिक कार्यशैली, निष्ठा और चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के प्रति समर्पण की विशेष प्रशंसा की।

तकनीकी मार्गदर्शन की खुलकर सराहना

वक्ताओं ने एसडीएम कार्यालय के कार्मिक ओमप्रकाश कुमावत की 'टीम सेतु' भूमिका तथा माधुर संवाद-समन्वय और तकनीकी मार्गदर्शन की विशेष सराहना की, जिसने अनेक जटिल समस्याओं का समाधान सरल बनाया।

शिक्षा विभाग का गौरवः सीबीईओ अनुकंपा अरडावतिया

सीबीईओ अनुकंपा अरडावतिया ने कहा कि शिक्षा विभाग के शिक्षकों ने अपने नियमित शिक्षण कार्य के साथ-साथ बीएलओ और सुपरवाइजर के रूप में जिम्मेदारी निभाकर विभाग का गौरव बढ़ाया है।

236 कर्मचारियों को सम्मान – ब्लू व सुपरवाइजर दोनों सम्मानित

समारोह में कुल 214 बीएलओ और 22 सुपरवाइजर, इस प्रकार 236 कर्मचारी सम्मानित किए गए। सम्मानित होने वालों में सुरेश कुमार नारवाल सहित सभी बीएलओ-सुपरवाइजरों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विशिष्ट उपस्थितजन

कार्यक्रम में प्रोग्रामर यादवराम, एसीबीईओ राजेश कुमावत, रीडर दिनेश शर्मा, अजय कुमार, ओमप्रकाश वर्मा, राजेंद्र सिंह शेखावत, वीरेंद्र कश्यप, मदन सिंह, रमेश कुमार, इंद्र सिंह, जितेंद्र सिंह, वेदप्रकाश, भीखाराम धायल, राधेश्याम, थावरमल, समरसिंह, विद्याधर ढाका, राजेश जांगिड़, होशियार सिंह सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

वार्ड 29 में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का स्वागत समारोह और बैठक सम्पन्न

'दिल्ली चलो वोट चोर गद्दी छोड़ो' अभियान के तहत हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । वार्ड 29 में बुधवार की सुबह पूर्व पार्षद प्रत्याशी श्रीराम पंवार के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का स्वागत समारोह और राजनीतिक बैठक आयोजित की गई। यह आयोजन कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी अभियान 'दिल्ली चलो वोट चोर गद्दी छोड़ो' के तहत किया गया जिसमें कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में श्रीराम पंवार और कार्यकर्ताओं ने कई प्रमुख कांग्रेस नेताओं का स्वागत किया जिसमें मुख्य रूप से ओमप्रकाश सेन अध्यक्ष जिला देहात कांग्रेस कमेटी ओबीसी बीकानेर मदन गोपाल मेघवाल शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष उमा सुथार ओबीसी विभाग की शहर जिला अध्यक्ष सहित सहीराम सीगड़ पर्यावरण कांग्रेस के पदाधिकारी उपस्थित रहें। बैठक में वार्ड के स्थानीय मुद्दों संगठन की मजबूती और आगामी रणनीति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे और सभी ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

संविधान की रक्षा के लिए दिल्ली महारैली की तैयारियों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक सम्पन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । जिला कांग्रेस कमेटी देहात बीकानेर की ओर से बुधवार को रानी बाजार स्थित कार्यालय में 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली महारैली की तैयारियों को लेकर अहम बैठक आयोजित की गई। यह महारैली अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार वोट चोरी रोकने के महाअभियान और 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान के तहत आयोजित की जा रही है।बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने करते हुए कहा कि भाजपा ने वोट चोरी कर लोकतंत्र की मर्यादा को ठेस पहुंचाई है और जनता इससे आक्रोशित है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि संविधान की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए हर कांग्रेस कार्यकर्ता को महारैली में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी। बैठक में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों और ब्लॉकों के महारैली प्रभारियों ने अपनी-अपनी तैयारियों की रिपोर्ट जिलाध्यक्ष को सौंपी। जिला संगठन महासचिव मार्शल प्रहलाद सिंह ने बताया कि प्रभारियों ने अपने क्षेत्रों से दिल्ली जाने वाले पदाधिकारियों और कांग्रेसजनों की सूची गाड़ियों के नंबर ड्राइवरों के मोबाइल नंबर और ट्रेन व बस से जाने वालों के टिकट विवरण प्रस्तुत किए।

विभिन्न क्षेत्रों के प्रभारी इस प्रकार रहें

खाजूवाला के श्याम सिंह भाटी रामदयाल बेनिवाल, कोलायत श्रवण मदेरणा, गुमानाराम जाखड़ राजूराम मेहरड़ा, लूणकरनसर पृथ्वीराज कूकणा एडवोकेट नन्दराम कासनिया, श्रीडूंगरगढ़ शिव ओमप्रकाश गोदारा डॉ. प्रीति मेघवाल, नोखा प्रेमप्रकाश सारण ख्यालीराम सुथार जहूरदीन, सूडसर महिपाल सारस्वत, छतरगढ़ लक्ष्मण गोदारा, बज्जू कन्हैयालाल जोशी, नापासर मूरली गोदारा आदि मौजूद रहे है। मीटिंग में भंवरलाल कूकणा, शिवदान मेघवाल, शशिकला राठौड़, नीरू चौधरी, पूनमचंद भाम्भू, मनोज सियाग, रामलाल, अभिजीत, तिलोक सिंह, सोनियासर, महावीर बाना, ओमप्रकाश कस्वां, बीरबल मूंड राजाराम सारण, शिवराज गोदारा, नितिन वत्सस, राहुल जादूसंगत, अकरम अली, सीताराम डूडी, राजपाल कुल्हरी, रामसिंह मेघवाल, आकाश लोहिया, रामस्वरूप गोठवाल, प्रेम गोदारा, शनीला खां समीर सिकलीगर सहित अनेक कांग्रेसजन मौजूद रहें। बैठक का समापन दिल्ली महारैली को सफल बनाने के संकल्प के साथ किया गया।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव की आर्केस्ट्रा प्रतियोगिता में शांति निकेतन स्कूल ढिंगसरा के बच्चों ने जीते 21 हजार रुपये- रणसिंह रेपस्वाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद?।

रजत विजय रंगा । शांति निकेतन स्कूल, ढिंगसरा के प्रधानाचार्य रणसिंह रेपस्वाल व डायरेक्टर विजय सिंह बाघेला ने बताया कि क्षेत्र में विद्यालय ने अपने उत्कृष्ट शैक्षणिक परिणामों, अनुशासित वातावरण और आधुनिक शिक्षा पद्धति से अभिभावकों व छात्रों का विश्वास और अधिक मजबूत किया है। विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिसमें स्मार्ट क्लास, डिजिटल लर्निंग, साइंस लैब, भाषण, वाद्य और खेल गतिविधियों जैसी सुविधाएँ बच्चों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि गत दिनों 27 28 अक्तूबर को खेल एवं युवा मामले मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा के तत्वावधान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) भोडिया खेड़ा में जिला स्तरीय युवा महोत्सव 2025 का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 31 हजार रुपये, 21 हजार रुपये और 11 हजार रुपये की नकद राशि प्रदान कर सम्मानित करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में शांति निकेतन स्कूल से आर्केस्ट्रा टीम ने भाग लिया और पूरे फतेहाबाद जिला में द्वितीय स्थान प्राप्त कर 21 हजार रुपये की राशि अपने नाम की। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जिले के युवाओं को कला, साहित्य, संगीत और विज्ञान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करना था।

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे विराट, रोहित शीर्ष पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष दो स्थान पर भारतीय खिलाड़ियों का कब्जा हो गया है। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा जहां नंबर एक स्थान पर बने हुए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर भारत के ही अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आ गये हैं। हाल में इन दोनो ने अच्छा प्रदर्शन किया था जिसका लाभ इन्हें मिला है। जिससे रोहित अपनी जगह पर बने हुए हैं जबकि विराट ऊपर आये हैं। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान ही अपने शानदार प्रदर्शन से आईसीसी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया था। वह नंबर एक पर बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों में 57, 14, और 75 की पारी से रोहित का नंबर एक स्थान बना रहा। वहीं विराट ने ताजा रैंकिंग में 2 स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरी रैंक हासिल की है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में 135, 102, और 65 रन बनाये। इन तीन पारियों की सहायता से रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं।

भारतीय टीम के एकदिवसीय प्रारुप के कप्तान शुभमन गिल पांचवें स्थान पर हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम छठे, आयरलैंड के हैरी टैक्टर सातवें, वेस्टइंडीज के शाई होप आठवें, श्रीलंका के चरिथ असलांका नौवें और भारत के श्रेयस अय्यर दसवें स्थान पर हैं। फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर चल रहे श्रेयस अय्यर को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वहीं केएल राहुल ने भी दक्षिण अफ्रीका सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी की थी और इससे उन्हें दो स्थान का लाभ हुआ है। वह 12वें स्थान पर हैं। भारत के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी के कारण दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक 3 स्थान ऊपर आकर 13वें नंबर पर आ गये हैं।

द हंड्रेड में नजर आएंगे दिनेश कार्तिक, लंदन स्पिरिट ने दी बड़ी जिम्मेदारी

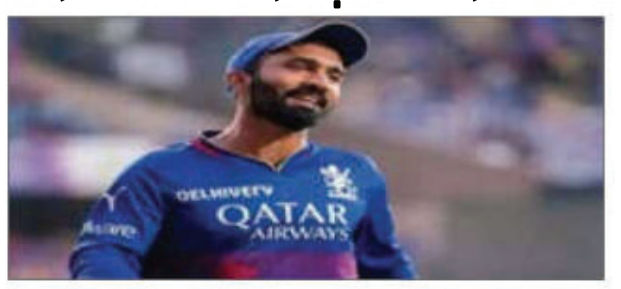

लंदन (एजेंसी)। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक, जो मौजूदा IPL चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के मेंटर भी हैं, को द हंड्रेड फ्रेंचाइजी लंदन स्पिरिट का मेंटर और बैटिंग कोच बनाया गया है। द हंड्रेड के लिए किसी फ्रेंचाइजी में अपनी पहली भूमिका में कार्तिक की विशेषज्ञता इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में एक खिलाड़ी और कोच दोनों के रूप में 250 से ज्यादा मैचों में भाग लेने और भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले 180 इंटरनेशनल मैचों से आती है।

लंदन स्पिरिट के क्रिकेट डायरेक्टर मो बोबट ने एक बयान में कहा, 'लंदन स्पिरिट में DK का स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है। वह हमारे खेल में सचमुच एक अलग सोच रखने वाले व्यक्ति हैं और शॉर्ट-फॉर्मेट और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में उनका बहुत बड़ा अनुभव हमारे लिए बहुत कीमती होगा। उनके साथ काम करना भी बहुत मजेदार है और वह जो कुछ भी करते हैं उसमें एक जबरदस्त एनर्जी और उत्साह लाते हैं।' बोबट ने कहा, 'खेल में अहमियत रखने वाले एक और एलीट इंसान को साइन करना हमारे एम्बिशन और इस बात को दिखाता है कि हम अपने प्लेयर्स को सबसे अच्छा सपोर्ट देने को कितना महत्व देते हैं।'

इस बीच कार्तिक ने नया रोल लेने पर कहा, 'लंदन स्पिरिट में शामिल होने का यह कितना रोमांचक समय है! जब मैंने Mo, MCC और टेक टाइटन्स के प्लान्स और एम्बिशन्स के बारे में सुना, तो मैं सच में शामिल होने के लिए बहुत उत्साहित था। लॉर्ड्स में काम करते हुए इंग्लिश समर बिताना सच में एक सपने के सच होने जैसा है। यह वह ग्राउंड है जहां मैंने भारत के लिए डेब्यू किया था और अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला था, लॉर्ड्स मेरे दिल के बहुत करीब है। मैं अगले साल स्क्वाड को एक साथ आते देखने और कुछ बेहतरीन क्रिकेटर्स के साथ काम करने का इंतजार नहीं कर सकता।' कार्तिक के लिए नया रोल काफी आसान होगा जिन्होंने IPL में RCB में बोबट और स्पिरिट के हेड कोच एंडी फ्लावर दोनों के साथ मिलकर काम किया है।

पाकिस्तान में भी छाये हैं अभिषेक, सबसे अधिक सर्च किये गये

लाहौर। भारतीय टीम के युवा आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी के कारण पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी छाये हैं। इसका अंदाजा इसी से होता है कि पाकिस्तान में 2025 में सबसे ज्यादा जिस खिलाड़ी को लोगों ने इंटरनेट पर सर्च किया है। वह बाबर आजम, शहीन अफरीदीद या हारिस रऊफ नहीं बल्कि अभिषेक हैं। यहां तक कि भारत के ही विराट कोहली और रोहित शर्मा भी अभिषेक से पीछे रह गये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अभिषेक को पाकिस्तान में भी अधिक पाक में सर्च किया गया।

इसका कारण एशिया कप को माना जा रहा है जिसमें अभिषेक ने सेमीफाइनल तक विस्फोटक पारियां खेली थीं। एशिया कप फाइनल में भारतीय टीम ने पाक को हराया था। एशिया कप में अभिषेक ने आक्रामक बल्लेबाजी की थी। पाकिस्तान के खिलाफ लीग मुकाबलों में भी उन्होंने जमकर रन बनाये थे हालांकि फाइनल में वह शुरुआत में ही आउट हो गये थे। हैरानी की बात ये है कि सर्च किये गये शीर्ष दस खिलाड़ियों को बाबर और शाहीन का नाम नहीं है।

पाकिस्तान में 2025 में सबसे ज्यादा सर्च किए गए टॉप खिलाड़ियों की शीर्ष 10 की लिस्ट में बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ जैसे खिलाड़ी जगह नहीं पा सके हैं।पाक में सबसे अधिक सर्च किये गये दूसरे खिलाड़ी हसन नवाज, तीसरे इरफान खान व चौथे साहिबजादा फरहान और पांचवें मुहम्मद अब्बास हैं। पाकिस्तान में सफलता के साथ-साथ भारत में भी अभिषेक ने तीसरा स्थान हासिल किया। भारत में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी सबसे ज्यादा सर्च हुए। भारत की टॉप-10 सूची में ज्यादातर क्रिकेटर शामिल थे, जिसमें महिला क्रिकेटर जेमिमा रोड्रिग्स ने भी अपनी जगह बनाई।

क्रिकेट जगत से आई बड़ी खबर: टीम चयन को लेकर नाराज 3 क्रिकेटरों ने कोच पर किया हिंसक हमला : सिर पर 20 टांके, कंधा टूटा

मुम्बई (एजेंसी)। पांडिचेरी क्रिकेट एसोसिएशन (CAP) इन दिनों विवादों की भेंट चढ़ा हुआ है। भ्रष्टाचार और खेल के अवसरों में अनियमितताओं की खबरों के बीच सोमवार को अंडर-19 टीम के हेड कोच एस. वेंकटरमन पर शॉकिंग हमला हुआ। जानकारी के अनुसार, तीन स्थानीय खिलाड़ी–सीनियर कार्तिकेयन जयसुंदरम, फर्स्ट-क्लास खिलाड़ी ए. अरविंदराज और एस. संतोष कुमारन–टीम चयन को लेकर नाराज थे और इसी गुस्से में कोच पर हमलावर हो गए।

सुबह करीब 11 बजे CAP की ट्रेनिंग फैसिलिटी में वेंकटरमन पर हमला किया गया। कोच ने बताया कि उन्हें नेट्स के पास घेर लिया गया और उनके सिर और कंधे पर हमला किया गया। सिर में गहरी चोट के कारण उन्हें

20 टांके लगाने पड़े और कंधे में फ्रैक्चर भी आया। पुलिस ने तुरंत FIR दर्ज कर आरोपी खिलाड़ियों की तलाश शुरू कर दी है। सब-इंस्पेक्टर एस. राजेश के अनुसार, कोच की हालत स्थिर है और फरार खिलाड़ियों की ट्रैक किया जा रहा है।

वेंकटरमन ने आरोप लगाया कि खिलाड़ियों ने उन्हें पकड़कर हमला किया और भारतीदासन पांडिचेरी क्रिकेटर्स फोरम के सेक्रेटरी जी. चंद्रन ने उन्हें भड़काया। उनका दावा है कि खिलाड़ियों ने उनसे मारपीट करने का कारण बताया कि उन्हें टीम में मौका तभी मिलेगा जब वे कोच को चोट पहुंचाएंगे। भारतीदासन पांडिचेरी क्रिकेटर्स फोरम ने कोच के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वेंकटरमन ने अक्सर खिलाड़ियों के साथ अनुचित व्यवहार किया। फोरम के अध्यक्ष सेंथिल कुमारन ने कहा कि CAP में पिछले वर्षों में कई बार मुद्दों को BCCI के सामने उठाया गया है।

यह हमला इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के एक दिन बाद आया जिसमें CAP में खिलाड़ियों के चयन में गड़बड़ी और बाहरी खिलाड़ियों को स्थानीय दिखाने की शिकायतें सामने आईं। 2021 के बाद केवल पांच स्थानीय खिलाड़ियों ने रणजी ट्रॉफी में हिस्सा लिया।

BCCI के सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने कहा कि बोर्ड इस मामले की गंभीरता से जांच करेगा। CAP के CEO राजू मेथा ने हालांकि दावा किया कि सभी नियमों का पालन किया गया है और भ्रष्टाचार के लिए जीरो टॉलरेंस नीति है।

आईपीएल नीलामी में इस बार पृथ्वी, सरफराज के नाम भी शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की 16 दिसंबर को अबुधाबी में होने वाली नीलामी में कुल 350 क्रिकेटरों की बोली लगेगी, जिनमें 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। पिछली बार नीलामी में नहीं बिके बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को भी इसमें शामिल किया गया है।

इसके अलावा बल्लेबाज सरफराज खान को भी इसमें जगह मिली है। इन दोनों का ही बेस प्राइज 75 लाख रुपये है। शॉ ने 2018 से 2024 तक आईपीएल खेला था पर खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें पिछली बार किसी टीम ने नहीं खरीदा था। वहीं सरफराज को साल 2021 के बाद से ही निलामी सूची में शामिल नहीं किय गया था। वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) द्वारा रिलीज किए गए ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को भी नीलामी में जगह मिली है। उनका आधार मूल्य दो करोड़ रुपये है। सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले कुणाल चंदेला और अशोक कुमार भी नीलामी की अंतिम सूची में शामिल हैं। नीलामी सूची में

दो करोड़ बेस प्राइज में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कैमरन ग्रीन और जेक फ्रेजर मैकगर्क के अलावा न्यूजीलैंड और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेवॉन कॉनवे और दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर है।

बीसीसीआई ने मिनी नीलामी के लिए 9 खिलाड़ियों के नाम जोड़े , कुल 359 खिलाड़ियों पर लगेगी बोली

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीसी) ने 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाली मिनी नीलामी के लिए जारी 350 खिलाड़ियों की सूची में 9 खिलाड़ियों को और शामिल किया है। इस प्रकार खिलाड़ियों की संख्या बढ़कर अब 359 हो गयी है। सूची में जोड़े गये नामों में विराट कोहली के करीबी स्वस्तिक चिकारा शामिल हैं, जिन्हें हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने रिलीज किया थ। वहीं एसोसिएट देश (मलेशिया) के विरनदीप सिंह को भी सूची में शामिल किया गया हैं। बचे हुए सात खिलाड़ी हैं त्रिपुरा के ऑलराउंडर मणिशंकर मुरासिंघ, चामा मिलिंद (हैदराबाद), के.एल. श्रीजित (कर्नाटक), इथन बॉश (दक्षिण अफ्रीका), क्रिस ग्रीन (ऑस्ट्रेलिया), राहुल राज नमाला (उत्तराखंड) और विराट सिंह (झारखंड). अंतिम नीलामी सूची में शामिल 359 खिलाड़ियों मे 247 भारतीय और 112 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें से केवल 77 खिलाड़ियों को ही नया आईपीएल अनुबंध मिलेगा, इसमें 31 विदेशी खिलाड़ी हैं। इसमें कोलकाता नाइट राइडर्स के पास सबसे अधिक 64.30 करोड़ रुपये, और उनके उसे 13 स्लॉट भरने हैं। हीं चेन्नई सुपर किंग्स का नंबर है के पास 43.4 करोड़ रुपये हैं और उसे नौ स्लॉट भरने हैं।

आकाश चोपड़ा ने दी गंभीर को सलाह, सबसे लड़ाई न करें

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि वह पूरे जुनुन से अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं, इसलिए कुछ मैचों में टीम की असफलता के कारण उनपर सवाल उठाने ठीक नहीं हैं। वहीं चोपड़ा ने गंभीर से भी कहा कि वह आलोचआओं को सकारात्मक लें और उनपर कठोर प्रतिक्रिया न दे। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि कोच के तौर पर उनके अब तक के कार्यकाल में जरुरत से ज्यादा विवाद पैदा हुए हैं। ऐसे में मेरी सलाह है कि वह इतनी ज्यादा लड़ाइयां न मौल लें। हाल ही में गंभीर ने अगल-अलग कप्तान बनाने की सलाह देने वाले आईपीएल दिल्ली कैपिटल्स के मालिक पर नाम लिए बिना ही निशाना साधा था और कहा था कि उन्हें अपनी सीमा में ही रहना चाहिये। चोपड़ा ने कहा कि इस प्रकार की बयानबाजी कर गंभीर अपनी परेशानियां ही बढ़ा रहे हैं। गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम पहले न्यूजीलैंड और फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय मैचों की सीरीज के सभी मैच हारी थी जिसके बाद से ही गंभीर की कोचिंग पर लोगों ने सवाल उठाने शुरु कर दिये थे। चोपड़ा ने इसी को लेकर एक वीडियो में कहा , 'जब वह मीडिया के सामने आते है तो कुछ भी छुपाते नहीं हैं। दिल खोलकर बोलते हैं पर मेरी एक सलाह उन्हें है कि वह आलोचना पर भड़के नहीं और न किसी से लड़ाई मौल लें। साथ ही कहा कि जब आप अपने काम को लेकर इतने जोशीले होते हैं और किसी व्यक्ति या चीज के पीछे पड़ जाते हैं, तो कई लोग आपके असफल होने का इंतजार करने लगते हैं। कई बार लगता है कि आप अपने कामकाज के तरीके से इस तरह की आलोचना के लिए अपने को तैयार कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'गंभीर बेहद उत्साही व्यक्ति हैं। वह हमेशा देश और टीम के लिए पूरी ताकत झौंकने के लिए तैयार रहते हैं। मेरा मानना है कि उन्हें किसी को खुश नहीं करना है। इसलिए वह लड़ाई न करते हुए अपना काम करते रहें।'

जूनियर महिला वर्ल्ड कप: आखिरी सेकंड में बराबरी, फिर शूटआउट में भारत ने उरुग्वे को हराया

सैंटियागो (चिली) (एजेंसी)। भारत ने आखिरी सेकंड में बराबरी करने के बाद उरुग्वे को स्न्रढ्ढ हॉकी जूनियर महिला वर्ल्ड कप 2025 के 9/12 क्लासिफिकेशन मैच में 1-1 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में 3-1 से हराया। भारत के लिए मनीषा ने (19वें) ने भारत के लिए गोल किया जिसके बाद जस्टिना अरेंगुई ने (60वें) मिनट सिर्फ दो सेकंड बाकी रहते पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला, जिससे सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड, एस्टाडियो नैशनल में मैच शूटआउट में चला गया।

भारत ने मैच की शुरुआत से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, जल्दी दबाव बनाया और कई बार सकर्ल में एंट्री की। हालांकि, उरुग्वे को पांचवें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वे उसे भुना नहीं पाये। भारत ने 18वें मिनट में एक अच्छे पेनल्टी-कॉर्नर वेरिएशन के साथ जवाब दिया, लेकिन साक्षी राणा का शॉट ब्लॉक हो गया।

अगले ही मिनट में मनीषा ने दूर से एक जोरदार गोल करके भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ में भारतीयों ने 11 सकर्ल पेनिट्रेशन किए, जबकि उरुग्वे ने डिफेंसिव शेल में गहरी पकड़ बना ली थी।

ब्रेक के बाद भी यही पैटर्न जारी रहा भारत ने हाई लाइन बनाए रखी और उरुग्वे को पीछे धकेल दिया, लेकिन तीसरे क्वार्टर के बीच में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिलने के बावजूद वे बढ़त नहीं बना पाए। आखिरी क्वार्टर के 49वें मिनट में उरुग्वे ने आगे बढ़ने का प्रयास किया लेकिन गोलकीपर निधि ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार बचाव करके भारत की बढ़त बनाए रखी। उरुग्वे ने आखिरी मिनटों में अपने गोलकीपर को हटाकर एक एक्स्ट्रा आउटफील्ड प्लेयर को शामिल किया, और यह कदम बहुत फायदेमंद रहा। दो सेकंड बाकी रहते, उन्हें एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे अरेर्गुई ने शांति से गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

शूटआउट में भारत ने हिम्मत नहीं हारी। पूर्णिमा यादव, इशिका और कनिका सिवाच ने गोल किए, जबकि गोलकीपर निधि ने उरुग्वे को तीन बार गोल करने से रोका, जिससे 3-1 से जीत पक्की हो गई और भारत 9वें/10वें स्थान के प्लेऑफ में पहुंच गया। भारत का अगला मुकाबला गुरुवार को अपने आखिरी क्लासिफिकेशन मैच में स्पेन से होगा।

सभी प्रारुपों की कप्तानी शुभमन को दी जाये : गांगुली

कोलकाता ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का कहना है कि बल्लेबाज शुभमन गिल को तीनों ही प्रारुपों में कप्तानी दी जानी चाहिये। गांगुली के अनुसार अभी शुभमन टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान हैं और भविष्य को देखते हुए उन्हें टी20 प्रारुप की भी कप्तानी दे देनी चाहिये। वहीं जहां कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने सभी प्रारुपों में अलग कप्तान बनाने को कहा है। वहीं गांगुली इससे सहमत नहीं हैं। गांगुली ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा 'मेरी नजर में शुभमन सभी प्रारुपों के लिए कप्तान होने चाहिए। वह पूरी तरह से कप्तानी संभालने में सक्षम है।' गांगुली ने इंग्लैंड दौरे का उदाहरण देते हुकहा, 'तीन महीने पहले इंग्लैंड में शुभमन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के नहीं होने के बाद भी एक युवा टीम की शानदार तरीके से कप्तानी कर सीरीज बराबरी पर समाप्त की थी। उस सीरीज में वह बल्लेबाजी और कप्तानी दोनों में ही सफल रहे थे।' गांगुली ने कहा कि उस सीरीज में शुभमन ने 750 से ज्यादा रन बनाए और चार शतक लगाये। विदेशी जमीन पर दबाव के बाद भी ऐसा प्रदर्शन करना असान नहीं होता। साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी को केवल कुछ असफलताओं के कारण कम नहीं समझना चाहिए। इस पूर्व कप्तान का मानना है कि नये कप्तानों को अपनी को साबित करने के लिए समय देना जरुरी है। प्रशंसकों और समीक्षकों को जल्दबाजी में किसी भी प्रकार के फैसले पर नहीं पहुंचना चाहिये। कप्तान के तौर पर उन्हें पर्याप्त समय और समर्थन देना चाहिए। उनपर भरोसा रखना होगा तभी वह एक बेहतर कप्तान के तौर पर निखर सकेंगे।' गांगुली की इस बयान से साफ है कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 टीम भले ही अच्छा कर रही हो पर उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए भविश्य के लिए शुभमन को तैयार किये जाने की जरुरत है।

लियोनेल मेस्सी को लगातार दूसरी बार चुने गए एमएलएस का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

फोर्ट लॉडरडेल (फ्लोरिडा) । इंटर मियामी के स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी को मेजर लीग सॉकर (MLS) में लगातार दूसरी बार साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अर्जेंटीना के इस 38 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन से उनकी टीम इंटर मियामी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार हासिल करने में सफल रही। MLS कप चैंपियन टीम के कप्तान मेस्सी एमएलएस के इतिहास में लगातार दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमवीपी) का खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मंगलवार को उन्हें लीग के इस साल के सर्वोच्च व्यक्तिगत सम्मान का विजेता घोषित किया गया। मेस्सी ने अपने साथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके बिना यह पुरस्कार जीतना संभव नहीं था। वह लीग के इतिहास में दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनसे पहले प्रेकी ने 1997 और 2003 में यह पुरस्कार जीता था।

पीसीबी ने हैदर अली पर लगा प्रतिबंध हटाया, लगे थे बलात्कार के आरोप

कराची ।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने बल्लेबाज हैदर अली पर लगा अस्थायी निलंबन हटा लिया है, जिन्होंने सितंबर में मैनचेस्टर में बलात्कार के आरोपों से बरी होने के बाद से किसी भी तरह का प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। PCB ने बुधवार को पुष्टि की कि अली उन नौ पाकिस्तानी खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दिया गया है। बोर्ड के एक सूत्र ने बताया, 'खिलाड़ियों को 23 जनवरी तक इस प्रतियोगिता में खेलने की अनुमति दे दी गई है।' पाकिस्तान के लिए 35 टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैच खेलने वाले अली तब पाकिस्तान शाहीन टीम (पाकिस्तान ए) के साथ इंग्लैंड दौरे पर थे जब ब्रिटेन में जन्मी एक पाकिस्तानी महिला ने मैनचेस्टर शहर की पुलिस में उनके खिलाफ बलात्कार का आरोप लगाया। PCB ने जांच के नतीजे आने तक अली को निलंबित कर दिया था। मैनचेस्टर पुलिस ने 25 सितंबर को यह मामला बंद कर दिया था। पुलिस ने कहा था कि उन्हें इस मामले को अदालत में भेजने या क्रिकेटर को गिरफ्तार करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं मिले हैं। PCB ने मोहम्मद नवाज, अबरार अहमद, साहबजादा फरहान, फहीम अशरफ, हुसैन तलत, ख्वाजा नफे और एहसानाउल्लाह को भी बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेलने के लिए NOC जारी की है। पाकिस्तान की टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज उमर अकमल को ह्लह्रष्ट देने से इनकार कर दिया गया है। अकमल ने इस पर बोर्ड से स्पष्टीकरण मांगा है।

टी20आई : पावरप्ले में भारतीय गेंदबाजों का दबदबा, अर्शदीप सिंह बड़े खिलाड़ी की बराबरी कर नम्बर 1 पर आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पावरप्ले ओवर्स (1-6 ओवर) हमेशा से बल्लेबाजों का पसंदीदा समय माना जाता है, लेकिन भारत के तेज़ और स्पिन गेंदबाजों ने इस अवधि में लगातार विकेट लेकर अपनी अलग पहचान बनाई है। हाल ही के आंकड़ों के मुताबिक, पावरप्ले में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज़ों की लिस्ट में अर्शदीप सिंह और भुवनेश्वर कुमार संयुक्त रूप से टॉप पर हैं। दोनों के नाम 47-47 विकेट दर्ज हैं। उनके पीछे जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाज़ शामिल हैं, जिन्होंने शुरुआती ओवरों में मैच का रुख पलटने में अहम भूमिका निभाई है। अर्शदीप ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 मैच में भूवनेश्वर कुमार की बराबरी की है।

अर्शदीप सिंह ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड = 47 विकेट के साथ नंबर 1 पर

भारत के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने टी20आई में पावरप्ले ओवर्स में सबसे ज़्यादा 47 विकेट लेकर बड़ा मुकाम हासिल किया है। क्रिकेट जगत में अर्शदीप अपनी स्विंग, पेस वेरिएशन और शुरुआती ओवरों में घातक लाइन-लेंथ के लिए जाने जाते हैं। आईपीएल में अपनी पहचान बनाने वाले अर्शदीप ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी साबित कर दिया है कि वह भारत के लिए लंबे समय तक पावरप्ले स्पेशलिस्ट बन सकते हैं। उनके शुरुआती ओवरों में विकेट लेने की क्षमता भारत को मजबूत शुरुआत देती है और विपक्षी टीम पर दबाव डालती है।

भुवनेश्वर कुमार की बराबरी की

अर्शदीप ने भुवनेश्वर कुमार की बराबरी की है जिनके नाम भी पावरप्ले में 47 विकेट दर्ज हैं। भुवी अपनी शानदार स्विंग और सटीक लाइन-लेंथ के लिए शुरू से ही ञ्20ढ्ढ क्रिकेट में सफल रहे हैं। भुवनेश्वर ने कई बड़े टूर्नामेंटों में पावरप्ले में अहम विकेट लेकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। उनकी स्विंग गेंदबाज़ी खासकर नई गेंद से बेहद प्रभावशाली रही है, जिसकी वजह से उन्हें लंबे समय तक भारत का सबसे भरोसेमंद पावरप्ले गेंदबाज़ माना गया।

जसप्रीत बुमराह - 33 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर

दुनिया के सबसे घातक गेंदबाज़ों में गिने जाने वाले जसप्रीत बुमराह पावरप्ले में 33 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। बुमराह भले ही डेथ ओवर्स के राजा माने जाते हों, लेकिन शुरुआती ओवरों में भी वह उतने ही खतरनाक होते हैं। उनकी सटीक यॉर्कर, सीम मूवमेंट और अनोखी स्लोअर गेंदें बल्लेबाज़ों को भ्रमित करती हैं। बुमराह की मौजूदगी से भारत को हमेशा पावरप्ले में सफलता मिलने की उम्मीद रहती है।

अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर - स्पिनर्स की अहम भूमिका

पावरप्ले में स्पिनरों का इस्तेमाल जोखिम भरा माना जाता है, लेकिन अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर ने इसे गलत साबित किया है। दोनों के नाम 21-21 विकेट दर्ज हैं। अक्षर पटेल अपनी एक जैसी लाइन-लेंथ और तेज़ गति वाली गेंदों से बल्लेबाज़ों को टिकने नहीं देते। वाशिंगटन सुंदर शुरुआती ओवरों में स्पिन डालकर बल्लेबाज़ों को चौंकाते हैं और कई बार बड़े विकेट दिलाते हैं। इन दोनों स्पिनरों ने भारत की पावरप्ले रणनीति को और मजबूत किया है।

टी20आई क्रिकेट में 1-6 ओवर में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

47 - अर्शदीप सिंह , 47 - भुवनेश्वर कुमार , 33 - जसप्रीत बुमराह , 21 - अक्षर पटेल , 21 - वाशिंगटन सुंदर

प्रियंका चोपड़ा ने जाह्नवी के बेबाक और सच्चे विचारों की जमकर तारीफ़ की

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में वी द विमेन मंच से जाह्नवी कपूर का प्रभावशाली वीडियो शेयर कर उनके विचारों को खुलकर सराहा। इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस क्लिप को री-पोस्ट करते हुए प्रियंका ने लिखा, बातचीत से शुरुआत होती है, तो मैं भी शामिल होती हूँ। उन्होंने जाह्नवी के बेबाक और सच्चे विचारों की जमकर तारीफ़ की। यह वीडियो बरखा दत्त के प्रमुख प्लेटफ़ॉर्म वी द विमेन का है, जो देशभर की महिलाओं की आवाज़, उनकी पहचान, महत्वाकांक्षाओं और सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों पर खुलकर चर्चा करने के लिए जाना जाता है। क्लिप में जाह्नवी कपूर बेहद साफ़गोई से स्त्रीत्व, समाज की अपेक्षाओं और समानता के असली मायनों पर बात करती दिखाई देती हैं। वह बताती हैं कि महिलाओं के अनुभवों को समझना और स्वीकारना कितना ज़रूरी है, बजाय इसके कि समानता को सिर्फ़ एक सतही अवधारणा तक सीमित कर दिया जाए। पीले रंग के आकर्षक आउटफ़िट में नज़र आ रहीं जाह्नवी के स्पष्ट और आत्मविश्वास से भरे विचार दर्शकों के साथ गहराई से जुड़े और इन्हीं विचारों ने प्रियंका चोपड़ा को उन्हें अपने प्लेटफ़ॉर्म पर साझा करने के लिए प्रेरित किया।

रवि तेजा के साथ स्क्रीन शेयर कर सकती हैं सामंथा रुथ प्रभु

द क्षिण सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु काफी समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। खबरे हैं कि वह निर्देशक राज निदिमोरू के साथ रिश्ते में हैं। इस बीच अभिनेत्री की अगली फिल्म से जुड़ा अपडेट आया है। चर्चा है कि सामंथा पहली बार सुपरस्टार रवि तेजा के साथ स्क्रीन साझा करते हुए नजर आएंगी। दोनों एक प्रोजेक्ट के लिए साथ में आए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... सामंथा वर्तमान में रवि के साथ एक प्रोजेक्ट पर बातचीत कर रही हैं। फिल्म का शीर्षक तय नहीं है, लेकिन इसका निर्देशन शिव निर्वाण कर सकते हैं। अगर सबकुछ ठीक रहा तो पहला मौका होगा जब सामंथा और रवि को एक साथ फिल्मी परदे पर देखने का दर्शकों को मौका मिलेगा। अभी तो इस प्रोजेक्ट से संबंधित कोई भी आधिकारिक घोषणा सामंथा या रवि की ओर से नहीं की गई है। फिलहाल तो सामंथा रक्त ब्रह्मांड: द ब्लडी किंगडम में व्यस्त चल रही हैं। यह नेटफ्लिक्स की आगामी वेब सीरीज है, जिसका निर्माण राज और डीके डी 2आर फिल्म्स के तहत कर रहे हैं। इस सीरीज का निर्देशन राही अनिल बर्वे ने किया है। सामंथा के अलावा, इस सीरीज में आदित्य रॉय कपूर, अली फजल, वामिका गब्बी और जयदीप अहलावत नजर आएंगे। दूसरी तरफ, सुपरस्टार रवि अगली फिल्म मास जाथारा में नजर आएंगे इसमें उनके साथ अभिनेत्री श्रीलीला हैं।

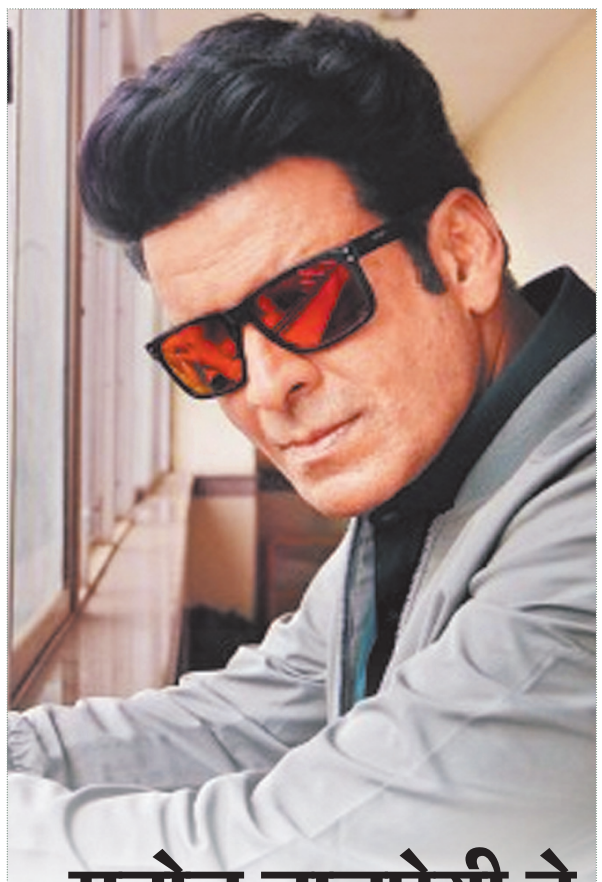

मनोज बाजपेयी ने बॉलीवुड में एक्टर्स की इनसिक्योरिटी के बारे में बात की

एक्टर मनोज बाजपेयी इन दिनों द फैमिली मैन सीजन 3 में अपने अभिनय के लिए तारीफें बटोर रहे हैं। हाल ही में कास्ट ने कुशा कपिला और कॉमेडियन रवि गुप्ता के साथ शो के बारे में कई बातें कीं। बातचीत में मनोज बाजपेयी ने बॉलीवुड में एक्टर्स के बीच मौजूद इनसिक्योरिटी के बारे में खुलकर बात की।

अनिश्चितता में हैं बॉलीवुड के कलाकार

मनोज बाजपेयी ने बॉलीवुड एक्टर्स में अनिश्चितता की भावना के बारे में बात की। उन्होंने कहा, हमारी इंडस्ट्री में, एक्टर्स कभी एक-दूसरे की तारीफ नहीं करेंगे। वे कभी किसी के काम की तारीफ करने के लिए कॉल नहीं करेंगे, क्योंकि वे बहुत इनसिक्योर होते हैं। मैं अब भी लोगों को काम मांगने के लिए कॉल करता हूं। क्योंकि मैं पैदाइशी संघर्ष करने वाला इंसान हूं।

रो पड़े थे जयदीप

बातचीत में जयदीप अहलावत ने बताया कि मनोज बाजपेयी ने पाताल लोक सीजन 1 में उनके काम की तारीफ की तो वह रो पड़े थे। उन्होंने कहा जब पाताल लोक सीजन 1 रिलीज हुआ था, तो मनोज भाई ने मुझे रात में फोन किया और मुझसे 15-20 मिनट बात की। मैं इसे जिंदगी भर नहीं भूलूंगा। उसके बाद, मैं बहुत रोया। उस समय मनोज बाजपेयी ने जयदीप अहलावत से कहा एक इंस्टिट्यूशन खोलो, और मैं तुम्हारा छात्र बनूंगा।

मनोज और जयदीप साथ में कर चुके काम

द फैमिली मैन 3 से पहले, मनोज बाजपेयी और जयदीप अहलावत ने 2012 में गैंग्स ऑफ वासेपुर और चटगांव में साथ काम किया था। द फैमिली मैन के नए सीजन में, मनोज बाजपेयी ने श्रीकांत तिवारी का अपना रोल फिर से निभाया है, जबकि जयदीप अहलावत ने विलेन रुक्मा का रोल किया है।

द फैमिली मैन 3 की कास्ट

द फैमिली मैन 3 के निर्देशक राज एंड डीके हैं। शो में मनोज बाजपेयी, निमरत कौर, अश्लेषा ठाकुर, शारिब हाशमी, प्रियमणि और जयदीप अहलावत अहम रोल में हैं। 21 नवंबर से यह शो अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है।

मेघना गुलजार की 'दायरा' में पहली बार साथ दिखेंगे करीना और पृथ्वीराज सुकुमारन

निर्देशक मेघना गुलजार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दायरा' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म की अभी शूटिंग चल रही है। इस बीच अब मेघना गुलजार ने फिल्म के फाइनल शेड्यूल की शूटिंग को लेकर अपडेट दिया है। इस फिल्म में करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।
मेघना गुलजार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर को साझा करते हुए उन्होंने फिल्म के फाइनल शेड्यूल को लेकर जानकारी दी है। मेघना ने जो तस्वीर साझा की है वो किसी कार के अंदर की तस्वीर है। इसमें सीट पर बड़े-बड़े बैग रखे नजर आ रहे हैं। संभवत- इनमें शूटिंग उपकरण हैं। इस तस्वीर को साझा करते हुए मेघना ने कैप्शन में लिखा, 'फाइनल शेड्यूल। यहां हम चले।' इसके साथ हैशटैग में उन्होंने दायरा भी लिखा है।
मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित इस फिल्म को जंगली पिक्चर्स और पेन स्टूडियो ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म में करीना कपूर और पृथ्वीराज सुकुमारन प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। दोनों स्टार्स पहली बार एकसाथ किसी फिल्म में दिखाई देंगे। हालांकि, अभी तक फिल्म को लेकर कोई ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

'राजी' और 'सैम बहादुर' जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुकी हैं मेघना

मेघना गुलजार की गिनती इंडस्ट्री के चुनिंदा निर्देशकों में होती है। वो इससे पहले 'राजी', 'छपाक' और 'सैम बहादुर' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुकी हैं। तीनों ही फिल्मों को क्रिटिक्स से जबरदस्त सराहना मिली है। वहीं 'छपाक' को छोड़कर बाकी दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही हैं। मेघना की आखिरी फिल्म 'सैम बहादुर' है, जिसमें विक्की कौशल प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। यह फिल्म भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है।

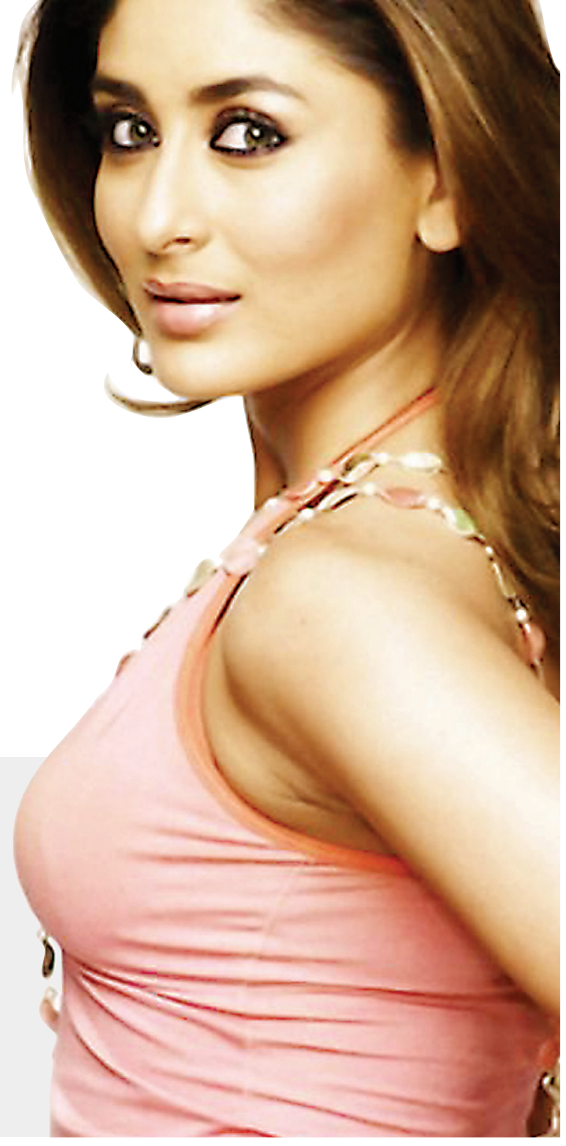

इंडस्ट्री में है कोंकणा की अलग पहचान

कोंकणा सेन शर्मा भारतीय सिनेमा की एक ऐसी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने अपनी सादगी भरी अदाकारी से लाखों दिल जीते हैं। वे हिंदी और बंगाली फिल्मों में काम करती हैं और निर्देशन में भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।

कोंकणा का फिल्मी सफर बचपन से ही शुरू हो गया था। मात्र 4 साल की उम्र में उन्होंने 1983 में बंगाली फिल्म इंदिरा में बाल कलाकार के रूप में डेब्यू किया, जो उनकी मां अपर्णा सेन द्वारा निर्देशित थी। फिल्म अमोदिनी में भी छोटी भूमिका निभाई। इसके बाद कोंकणा ने बंगाली थ्रिलर एक जे आछे कन्या की, जिसमें उन्होंने एक नेगेटिव किरदार निभाया। इसके अलावा एक्ट्रेस ने अपनी मां द्वारा निर्देशित अंग्रेजी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज अय्यर में मीनाक्षी अय्यर का रोल किया। इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला।

पेज 3 से मिली बॉलीवुड में पहचान

कोंकणा का करियर इंडिपेंडेंट सिनेमा और मेनस्ट्रीम बॉलीवुड का शानदार मिश्रण है। 2005 में हिंदी डेब्यू पेज 3 से उन्होंने पत्रकार मदहवी शर्मा का रोल निभाया, जो मीडिया की दुनिया पर आधारित थी। इस फिल्म ने तीन नेशनल अवॉर्ड जीते। इसके बाद 2006 की ओमकारा में शेक्सपियर के ओथेलो पर बनी फिल्म में उन्होंने इंदु (लंगड़ा त्यागी की पत्नी) का किरदार निभाया, जो एक गांव की साधारण महिला थी। इसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड और फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। लाइफ इन ए मेट्रो जैसी एंथोलॉजी फिल्म में श्रुति घोष का रोल निभाकर उन्होंने फिर फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता। यह फिल्म रिश्तों की उलझनों पर बनी थी। कोंकणा ने वेक अप सिड में रणबीर कपूर के साथ रोमांटिक रोल किया, जहां वे महत्वाकांक्षी लड़की ऐशा बनर्जी बनीं।

बतौर निर्देशक कोंकणा का करियर

2017 में उन्होंने निर्देशन में डेब्यू किया अ डेथ इन द गंज से, जो एक इंग्लिश ड्रामा थी और जिसने उन्हें बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर का फिल्मफेयर अवॉर्ड दिलाया। 2023 में उन्होंने लस्ट स्टोरीज 2 के एक सेगमेंट का निर्देशन किया। कुल मिलाकर कोंकणा को दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और तीन फिल्मफेयर पुरस्कारों सहित कई पुरस्कार मिल चुके हैं।

कोंकणा की शादी

कोंकणा सेन शर्मा ने अभिनेता रणवीर शौरी से शादी की थी, लेकिन अब वे अलग हो चुके हैं और उनका तलाक हो गया है। उनके बेटे का नाम हारून शौरी है, और वे अपने बेटे की सह-अभिभावक हैं।

ओटीटी पर कोंकणा का कमाल

वे ओटीटी पर भी सक्रिय हैं, जैसे अजीब दास्तान्स में दलित लेस्बियन वर्कर का रोल किया। हाल ही में उनकी सीरीज द नैना मर्डर केस रिलीज हुई है, जो एक क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज है। यह एक कॉलेज छात्रा नैना की रहस्यमयी मौत के इर्द-गिर्द घूमती है। एक एसीपी नैना के हत्यारे को खोजने की कोशिश करती है। यह मशहूर डेनिश सीरीज द किलिंग का भारतीय रूपांतरण है।
मिस्टर एंड मिसेज अय्यर के दौरान उन्होंने तमिल एक्सेंट सीखने के लिए घंटों प्रैक्टिस की। एक सीन में बच्चे को चुप कराने के लिए चिल्लाने वाली मां का रोल इतना रियल था कि क्रू मेंबर्स हंस पड़े, लेकिन डायरेक्टर अपर्णा सेन ने कहा कि यही असली मां का रूप है। वेक अप सिड के लिए उन्हें वजन घटाने की सलाह दी गई, और मूल रूप से तबू को ऑफर हुआ था, लेकिन जोया अख्तर ने कोंकणा को चुना क्योंकि उनकी सादगी कहानी से मैच करती थी। लस्ट स्टोरीज 2 के निर्देशन के दौरान उन्होंने महिलाओं की इच्छाओं पर खुलकर बात की, जो सेट पर सभी को प्रेरित करने वाला था। कोंकणा अक्सर कहती हैं कि सेट पर वे नेचुरल रहना पसंद करती हैं, बिना मेकअप के भी।

संक्षिप्त समाचार

अधिक उम्र वाले बच्चे के एडमिशन के लिए विशेषज्ञों ने बताए जरूरी टिप्स

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में 1700 से अधिक निजी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2026-2027 के तहत नर्सरी, केजी व पहली कक्षा में दाखिले की दौड़ जारी है। अभिभावक बच्चों के लिए आवेदन करने में जुटे हैं। कुछ अभिभावक बच्चे की उम्र अधिक होने के चलते नर्सरी कक्षा में दाखिला के लिए आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। खासकर एनसीआर के अभिभावक इसे लेकर पसोपेश में हैं। अभिभावकों का कहना है कि उम्र सीमा हर वर्ष एक बड़ा मुद्दा रहा है। ऐसे में नर्सरी कक्षा दाखिला विशेषज्ञों ने बताया कि अभिभावकों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि अभिभावक आवेदन करने से पहले स्कूल से घर की दूरी को प्राथमिकता दें, क्योंकि यह कई स्कूलों में अहम अंक दिलाता है। एनसीआर में रहने वाले परिवार चाहें तो वहां के स्कूलों में भी आवेदन कर सकते हैं। इससे बच्चे का एक वर्ष खराब होने से बच सकता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि जरूरत पड़ने पर अभिभावक स्कूल के प्रधानाचार्य से विशेष अनुरोध भी कर सकते हैं, जहां उम्र सीमा में मामूली छूट की संभावना रहती है। इसके अलावा कई स्कूलों ने अब तक दाखिला मापदंड जारी नहीं किए हैं। इससे कई जिलों के अभिभावकों को अभी और इंतजार करना पड़ रहा है। शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार राजधानी के कुल 1756 निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों में से 1537 स्कूलों ने अपने-दाखिला मापदंड अपलोड किए हैं, जबकि 219 स्कूलों ने अभी तक मापदंड जारी नहीं किए हैं। शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जो स्कूल समय पर अपने मापदंड अपलोड नहीं कर रहे हैं, उन पर विभाग की नजर है। अगर इसी तरह देरी होती रही तो स्कूलों पर कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली की सड़कों पर बस संकट, 550 सीएनजी बसें हटीं

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की सड़कों पर बसों की संख्या लगातार कम हो रही है। सीएनजी की करीब 550 बसें आयु पूरी होने की वजह से नवंबर में सड़कों से हट गई हैं। ऐसे में यात्रियों को बस स्टॉप पर घंटों तक बसों का इंतजार करना पड़ रहा है। नौकरीपेशा लोगों के साथ-साथ स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। डीटीसी के बेड़े से पुरानी सीएनजी से संचालित वाहनों को हटाया जा रहा है। अप्रैल से लेकर नवंबर तक करीब 1200 से ज्यादा बसें सड़कों से हट चुकी हैं। इनके स्थान पर नई बसें लाई जा रही हैं, लेकिन इनकी संख्या बेहद कम है। ऐसे में बसों की जरूरत और उपलब्धता का संतुलन बिगड़ गया है। जिन इलाकों में 10 मिनट के अंतराल पर यात्रियों को बसें उपलब्ध हो जाती थीं, अब इंतजार की अवधि 35 से 40 मिनट तक बढ़ गई है। सुबह-शाम बसों की संख्या तो बढ़ाई जा रही है, लेकिन यात्रियों की संख्या के अनुपात में यह बहुत कम है। ऐसे में स्टॉप पर बसों के पहुंचते ही उनमें सवार होने के लिए यात्रियों में मारामारी मचनी शुरू हो जाती है। कई बार सभी यात्री बस में चढ़ भी नहीं पाते हैं। स्कूली छात्र रोशन ने बताया कि दोपहर में बसों की संख्या और भी कम हो जाती है, उन्हें बस के लिए रोजाना 35 से 40 मिनट इंतजार करना पड़ रहा है। डीटीसी में अब सीएनजी से संचालित बसों की संख्या 150 बाकी बची है। डीटीसी के अधिकारी ने बताया कि इन बसों की आयु भी एक महीने में पूरी हो जाएगी। यानी नए साल के पहले ही महीने में डीटीसी के बेड़े से सीएनजी की सभी बसें बाहर हो जाएंगी। इसकी वजह से असंतुलन और बढ़ जाएगा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 10.5 करोड़ का गांजा पकड़ा, बैंकॉक से आया शातिर तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने ऐसा तगड़ा वार किया कि ड्रग तस्करों की नींद उड़ गई। बैंकॉक से आया एक यात्री 13 किलो से ज्यादा गांजा लेकर उतरा था, जिसकी कीमत पूरे 10.5 करोड़ रुपये थी। लेकिन कस्टम वालों की पैनी नजर के आगे उसकी सारी चालाकी फेल हो गई।

कस्टम अधिकारियों को हुआ शक

शनिवार तड़के एयर इंडिया की फ्लाइट,ढ्ढ-2303 से उतरा यह शख्स जैसे ही कस्टम काउंटर पर पहुंचा, उसकी हरकतें कुछ ठीक नहीं लगीं। आंखें झुकाए, स्क्रीनिंग से बचने की कोशिश, घबराहट साफ दिख रही थी। बस, फिर क्या था कस्टम अधिकारियों ने उसे अलग लिया और सामान की तलाशी शुरू कर दी।

तलाशी लेते ही अफसर हैरान रह गए। यात्री के बैग में 13 अजीबोगरीब पाउच मिले, एक तरफ काले, दूसरी तरफ पारदर्शी। अंदर भरा हुआ था शुद्ध गांजा। गांजा का कुल वजन 13 किलो 128 ग्राम था। लैब टेस्ट में कन्फर्म हो गया कि ये कोई मामूली माल नहीं, हाई क्वालिटी वाला गांजा था, जिसकी कीमत करीब 10.5 करोड़ रुपये आंकी गई। मौके पर ही यात्री को एनडीपीएस एक्ट की धारा 43(बी) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। पूरा माल और पैकिंग सामग्री भी जब्त कर ली गई। अब पूछताछ में ये पता लगाने की कोशिश हो रही है कि ये शख्स अकेला खेल रहा था या इसके पीछे कोई बड़ा इंटरनेशनल ड्रग कार्टेल है।

14 दिन बाद सुलझी गुत्थी, दिल्ली हिट एंड रन मामले का आरोपी पकड़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने आरके पुरम में हुए हिट एंड रन मामले को सुलझा लिया है। पुलिस को इसे सुलझाने के लिए 14 दिन लगे,जिसमें पांच महिलाएं घायल हो गई थीं। इनमें से दो को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे के वक्त इस्तेमाल वाहन सुजुकी ग्रैंड विटारा को ओखला, दिल्ली में एक सर्विस सेंटर से जब्त किया गया है। इस हादसे में कार भी क्षतिग्रस्त हो गई थी, लेकिन आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए कार को रिम पर ही 10 किलोमीटर से अधिक दूरी तक चलाया था।

दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर 600 से अधिक सीसीटीवी कैमरों का विश्लेषण किया गया जिसके बाद इस केस से जुड़ी सारी जांच पूरी हो गई। गिरफ्तार आरोपी चाणक्य सांखला (उम्र 30 वर्ष, निवासी साकेत, दिल्ली) की निशानदेही पर इस्तेमाल की गई मारुति ग्रैंड विटारा कार को भी ओखला स्थित एक सर्विस सेंटर से जब्त कर लिया गया है, जहां उसे क्षतिग्रस्त हालत में छोड़ दिया गया था।

घटना 23 नवबंर को लगभग 04:52 बजे की बताईग है। होटल हयात रीजेंसी, भीकाजी कामा प्लेस, दिल्ली के सामने हनुमान मंदिर के पास एक अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने के संबंध में पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी। इमरजेंसी ऑफिसर/एसआई कैलाश बीट स्टाफ के साथ तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे और वहां एक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त मारुति ईको कार मिली। पीसीआर वैन की ओरसे घायलों को सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली ले जाया गया। मारुति ईको कार के ड्राइवर, वी.के. मेहता (निवासी राजा विहार, समयपुर बादली, रोहिणी, दिल्ली) के बयान पर, थाना आर.के. पुरम, दिल्ली में एफआईआर संख्या 405/25 धारा 281 और 125 बीएनएस के तहत एक मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।

आज भी जहरीली हवा

18 इलाकों में एक्यूआई बहुत खराब

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की हवा में कल हल्का सुधार दर्ज किया गया। बुधवार सुबह 9 बजे राजधानी का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स 291 रहा। यह हालांकि खराब श्रेणी में है, लेकिन सोमवार के 318 एक्यूआई से थोड़ा बेहतर है। यानी शहर की हवा एक दिन पहले की तुलना में कुछ बेहतर हुई है, लेकिन हालत अभी भी चिंताजनक बने हुए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली के कुल 38 मॉनिटरिंग स्टेशनों में से 18 पर एक्यूआई बहुत खराब (300 एक्यूआई से अधिक) जबकि 20 स्टेशनों पर खराब (200 से 300 एक्यूआई के बीच) रिकॉर्ड किया गया। इसका मतलब है कि राजधानी के बड़े हिस्से में हवा सांस लेने लायक नहीं है और संवेदनशील लोगों के लिए जोखिम और बढ़ गया है। दिल्ली के कई प्रमुख इलाकों में मंगलवार सुबह हवा की गुणवत्ता बिगड़ी हुई दिखी। इंडिया गेटङ्ककर्तव्य पथ पर एक्यूआई 265, आइटीओ में 294, अलीपुर में 282, आया नगर में 253 और बुराड़ी में 291 दर्ज किया गया। ये इलाके आज सुबह मानक के अनुसार खराब श्रेणी में दर्ज किए गए।

वहीं दिल्ली के कई इलाकों में स्थिति और ज्यादा बिगड़ी रही, जहां एक्यूआई लगातार बहुत खराब श्रेणी में बना हुआ है। अक्षरधाम, गाजीपुर और आनंद विहार में एक्यूआई 319, चांदनी चौक में 333, बवाना में 342, जबकि द्वारका में 314 और अशोक विहार में 305 रिकॉर्ड किया गया।

मौसम की बात करें तो दिल्ली में मंगलवार का न्यूनतम तापमान 9.2एष्ट दर्ज हुआ, जो सामान्य से 0.4 डिग्री कम है। सुबह ह्यूमिडिटी 100 प्रतिशत पहुंचा, जिसके कारण कुछ इलाकों में हल्का कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने दिन भर के लिए कोहरे की संभावना जताई है।

गोवा जैसे हादसे का इंतजार!

सिर्फ 90 होटलों के पास है फायर सेफ्टी एनओसी

नई दिल्ली, एजेंसी। गोवा के अपरोरा नाइट क्लब में जो हुआ, वो सबने देखा। 25 निर्दोष जिंदगियां एक झटके में तबाह हो गईं। हादसे मं मरने वाला किसी का भाई, किसी का पति, किसी का पिता रहा होगा, उस एक दर्द की दवा शायद ही कहीं मिले। इससे उलट देश की राजधानी दिल्ली में भी जो होटल संचालित हो रहे हैं, वहां भी लापरवाही की इंतेहा है। पता चला है कि दिल्ली में कहने को 1000 होटल हैं, लेकिन उनमें से सिर्फ 90 के पास फायर सेफ्टी एनओसी है। इन 90 में 52 होटल हैं तो वहीं 38 क्लब हैं। फायर विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सैकड़ों प्रतिष्ठान अनिवार्य सुरक्षा जांचों के बिना ही चल रहे हैं।

हमारे सहयोगी हिंदुस्तान टाइम्स को मिले आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली में लगभग 1,000 लाइसेंस प्राप्त हॉस्पिटैलिटी प्रतिष्ठान हैं। हालांकि, दिल्ली सरकार के संबंधित विभागों से बार-बार पूछने के बावजूद, दिसंबर 2025 तक राजधानी में होटलों और क्लबों की मौजूदा कुल संख्या का पता नहीं लगाया जा सका।

गोवा के अपरोरपा स्थित एक नाइट क्लब में लगी आग, जिसमें 25 लोगों की जान चली गई, के मद्देनजर, अग्निशमन सुरक्षा विशेषज्ञों ने सोमवार को दिल्ली के फायर एनओसी नियमों में एक गंभीर खामी उजागर की है। विशेषज्ञों का कहना है कि एक बार जब अग्निशमन विभाग एनओसी जारी कर देता है, जो तीन साल के लिए वैध होती है, तो उसके बाद के उल्लंघनों की अक्सर जांच नहीं होती क्योंकि एजेंसियों को अंतरिम (बीच-बीच में) निरीक्षण करने का अधिकार नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के पूर्व प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा कि विस्तृत निरीक्षण के बाद ही एनओसी दी जाती है, लेकिन रेस्तरां, कैफे, क्लब और होटल अक्सर इसके बाद बदलाव कर लेते हैं जिनकी जांच सालों तक नहीं होती। उन्होंने कहा, अग्निशमन

विभाग या एनओसी जारी करने वाले अन्य विभागों को तब तक परिसर का निरीक्षण करने का अधिकार नहीं है, जब तक कि कोई घटना या शिकायत न हो जाए। इसलिए, उल्लंघन अक्सर बिना जांच के रह जाते हैं।

अतुल गर्ग ने बताया कि दिल्ली में 90 वर्ग मीटर से कम जगह में चल रहे रेस्तरां को व्यवसाय चलाने के लिए फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट प्राप्त करना अनिवार्य नहीं है। गर्ग ने आगे नियम समझाते हुए कहा कि 90 वर्ग मीटर से अधिक और 270 वर्ग मीटर से कम जगह में चल रहे प्रतिष्ठानों में दो सीढ़ियां होनी चाहिए, जिनमें से प्रत्येक 1.5 मीटर चौड़ी हो। 270 वर्ग मीटर से अधिक जगह में चल रहे प्रतिष्ठानों में कम से कम एक सीढ़ी 2 मीटर से कम चौड़ी नहीं होनी चाहिए, जबकि दूसरी सीढ़ी 1.5 मीटर से कम चौड़ी नहीं होनी चाहिए। गर्ग ने कहा कि ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जहाँ रेस्तरां संचालकों ने बेहतर सजावट और अधिक बैठने की क्षमता के लिए अपने परिसर में बदलाव किए हैं, जिससे सुरक्षा उपायों से समझौता हुआ है। उन्होंने कहा कि संबंधित एजेंसियों द्वारा नियमित जाँच के अभाव में इस तरह के उल्लंघन आमतौर पर अनदेखे रह जाते हैं। पूर्व अग्निशमन निदेशक (पूर्व फायर डायरेक्टर) ने जोर देकर कहा कि सरकार को एक ऐसे सिस्टम को बनाने की जरूरत है जिसके माध्यम से रेस्तरां या नाइट क्लब संचालकों द्वारा नियमों के उल्लंघन की जांच नियमित रूप से, या तो अचानक छापे या समय-समय पर निरीक्षण के माध्यम से की जा सके। गर्ग ने आगे सुझाव दिया, एक स्वतंत्र एजेंसी हो सकती है जो नियमित रूप से ऐसे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का दौरा करे और जांच करे कि सभी नियमों और विनियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति एआई पर जारी करेंगे 'वन रूल' वाला ऑर्डर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राज्य अलग-अलग कानून बनाकर टेक कंपनियों के सामने मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं। दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा कर दी है कि इस सप्ताह वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए एक ही नियम वाला एक महत्वपूर्ण कार्यकारी आदेश जारी करने जा रहे हैं। ट्रंप ने सोमवार को खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि मैं इस हफ्ते एआई के लिए एक नियम वाला कार्यकारी आदेश जारी करूंगा। अपनी पोस्ट में आगे उन्होंने कहा कि इस समय हम दुनिया के सभी देशों से काफी आगे हैं, लेकिन अगर हमारे 50 राज्य, जिनमें से कई में बहुत बुरे लोग बैठे हैं, अलग-अलग नियम बनाने और मंजूरी देने में लगे रहे,

तो यह बढ़त ज्यादा दिन नहीं टिकेगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि एआई अपनी शुरुआती अवस्था में ही नष्ट हो जाएगा।

बताया जा रहा है कि यह कदम ट्रंप का एआई नीति पर अपनी मजबूत छाप छोड़ने का ताजा प्रयास है। उनका स्पष्ट मानना है कि 50 अलग-अलग राज्य स्तर के नियमों का जाल अमेरिकी कंपनियों के लिए अनुपालन को असंभव बना देगा और नवाचार को मार डालेगा। तकनीकी उद्योग के बड़े नेता लंबे समय से राज्य-दर-राज्य विनियमन के खिलाफ बोलते रहे हैं। इस लिहाज से यह आदेश उनके लिए बड़ी जीत होगी।

बता दें कि ट्रंप और टेक दिग्गजों ने बार-बार चेतावनी दी है कि अलग-अलग राज्य कानून नवाचार रोक देंगे और अनुपालन को बेहद जटिल बना देंगे। हालांकि, फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और अर्कांसस की गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स सहित कई रिपब्लिकन गवर्नरों ने इस कदम की आलोचना की है। वे इसे राज्यों के अधिकारों पर हमला मानते हैं। माना जा रहा है कि किसी भी ऐसे कार्यकारी आदेश को तुरंत कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।वहीं, वाइट हाउस की राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैसेट ने सोमवार को सीएनबीसी को बताया कि उन्होंने इस आदेश का मसौदा देख लिया है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्य इन कंपनियों को अपने कंट्रोल में रखना चाहते हैं। आने वाला कार्यकारी आदेश यह साफ कर देगा कि अमेरिका में अमेरिकी कंपनियों के लिए सिर्फ एक ही नियम होगा। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने देखे गए संभावित आदेश के मसौदे में न्याय विभाग को उन राज्यों के खिलाफ मुकदमा करने की शक्ति दी जाएगी जिनके एआई कानून संघीय सरकार असंवैधानिक मानती है। साथ ही, जिन राज्यों के नियम बहुत सख्त या बोझिल होंगे, उन्हें संघीय फंडिंग में कटौती भी की जा सकेगी।

साउथ कोरिया के केएडीआईजेड में घुसे रूसी-चीनी सैन्य विमान

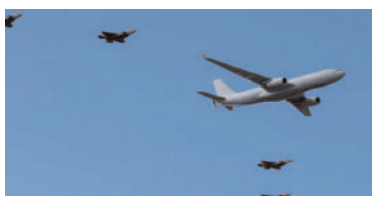

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया ने मंगलवार को एक बार फिर अपने वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में सात रूसी और दो चीनी सैन्य विमानों की घुसपैठ का पता लगाया। इसके जवाब में सियोल ने तुरंत दर्जनों लड़ाकू विमान रवाना किए। यह घटना ऐसे समय हुई है जब रूस-चीन की सैन्य नजदीकियां लगातार बढ़ रही हैं और दोनों देश उत्तर पूर्व एशिया में बिना पूर्व सूचना के संयुक्त हवाई गश्त कर रहे हैं। सियोल के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बयान जारी कर कहा कि ये रूसी और चीनी विमान स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10 बजे कोरिया एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन में दाखिल हुए। हालांकि किसी भी विमान ने दक्षिण कोरियाई हवाई क्षेत्र का उल्लंघन नहीं किया। सियोल ने कहा कि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए सामरिक उपाय करते हुए उसने लड़ाकू विमान भेजे। न्यूज एजेंसी योनहाप के अनुसार, ये विदेशी विमान लगभग एक घंटे तक केएडीआईजेड के अंदर-बाहर उड़ते रहे। इन विमानों को वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश करने से काफी पहले ही पता लगा लिया गया था। केएडीआईजेड एक विस्तृत क्षेत्र होता है जिसमें देश सुरक्षा कारणों से आने-जाने वाले विमानों पर नजर रखते हैं, लेकिन यह उनका क्षेत्रीय हवाई क्षेत्र नहीं होता। 2019 से चीन और रूस संयुक्त सैन्य अभ्यास का हवाला देते हुए बिना पूर्व सूचना के दक्षिण कोरिया के वायु रक्षा क्षेत्र में नियमित रूप से अपने सैन्य विमान भेजते रहे हैं।

पिछले पांच साल में बांग्लादेश पर विदेशी कर्ज का बोझ बढ़कर 42 फीसदी हुआ

ढाका, एजेंसी। नोबेल विजेता युनूस ने बड़े दमखम के साथ बांग्लादेश का नेतृत्व संभाला था। लेकिन फिलहाल उनके नेतृत्व में बांग्लादेश भी पाकिस्तान के कंगाली वाले रास्ते पर जाता दिखाई दे रहा है। पिछले पांच साल में बांग्लादेश पर विदेशी कर्ज का बोझ बढ़कर 42 फीसदी हो गया है। इसके साथ ही बांग्लादेश भी उन देशों की कतार में आ गया है, जो विदेशी कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। इस बात की जानकारी रविवार को अंतर्राष्ट्रीय कर्जों पर वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट में हुई है। इसके मुताबिक पिछले पांच साल में बांग्लादेश के ऊपर सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के विदेशी कर्जों पर किस्त भुगतान, मूलधन और ब्याज दोनों पर दोगुना हो गया है। गौरतलब है कि बांग्लादेश पिछले कई साल से बाहरी कर्ज के बढ़ते दबाव का सामना कर रहा है। सरकार ने विदेशी कर्ज की बदौलत बड़ी परियोजनाएं लागू की हैं। इनमें परमाणु ऊर्जा संयंत्र, मेट्रो रेल, पावर प्लांट, हवाई अड्डा टर्मिनल, अंडरवाटर टनल और ऊंची एक्सप्रेसवे शामिल हैं। इन परियोजनाओं में से कई के ऋण की अदायगी पहले ही शुरू हो चुकी है, वहीं कई अन्य को जल्द ही भुगतान किया जाना है। बढ़ते ऋण बोझ के बारे में पूछे जाने पर, वर्ल्ड बैंक के ढाका कार्यालय के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री जाहिद हुसैन ने प्रोथम आलो को बताया कि विदेशी उधार और ऋण चुकाने का दबाव कोविड-19 काल से बढ़ रहा है। उन्होंने कहाकि हमारे विकास में जो साझेदार हैं, अब वो कड़ी शर्तें लगा रहे हैं। इनमें कम ग्रेस पीरियड, घटा हुआ मैच्योरिटी टाइम और उच्च ब्याज दरें शामिल हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प बोले- भारत के कारण अमेरिकी किसानों को घाटा

जिससे उन्हें सही दाम नहीं मिल रहा; एक्स्ट्रा टैरिफ लगाएंगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका भारत से आने वाले चावल और कनाडा से आने वाली खाद पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है। उनका कहना है कि दूसरे देशों से आने वाला सस्ता सामान अमेरिकी किसानों को नुकसान पहुंचा रहा है। ट्रम्प ने यह बात सोमवार को व्हाइट हाउस में उस समय कही, जब वे किसानों के लिए नई आर्थिक मदद की घोषणा कर रहे थे। ट्रम्प ने कहा कि भारत, वियतनाम और थाईलैंड जैसे देश अमेरिका में बहुत सस्ता चावल बेच रहे हैं, जिससे यहां के किसानों की कमाई कम हो रही है।

उन्होंने इसे 'डंपिंग' बताया और कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए। ट्रम्प ने अपने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से पूछा कि क्या भारत को चावल के मामले में किसी तरह की छूट मिली हुई है। मंत्री ने बताया कि दोनों देशों के

बीच व्यापार समझौते पर अभी बातचीत चल रही है।

कनाडाई फर्टिलाइजर पर भी टैरिफ लग सकता है

ट्रम्प ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका कनाडा से आने वाली खाद पर भी कड़े टैरिफ लगा सकता है। उन्होंने कहा कि बहुत सी खाद कनाडा से आती है। अगर यह बहुत सस्ती हो गई तो हम उस पर सख्त टैरिफ लगा देंगे। कनाडा ,अमेरिका को पोटाश खाद की सबसे ज्यादा सप्लाई करता है। अब तक इसे व्यापार समझौते की वजह से संरक्षण मिला हुआ है।

अमेरिका में महंगाई और बढ़ती कीमतों की वजह से ट्रम्प पर दबाव बढ़ रहा है। किसान भी बढ़ती लागत से परेशान हैं। अगर खाद पर नया टैरिफ लग गया तो उनकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। अमेरिका ने हाल ही में पोटाश और फॉस्फेट को क्रिटिकल मिनरल्स की लिस्ट में शामिल किया था, ताकि उनकी सप्लाई बनी रहे, लेकिन किसान अभी भी इसे लेकर परेशान हैं।

आसान भाषा में डंपिंग का मतलब जानिए

डंपिंग का मतलब है कि कोई देश अपनी चीजें दूसरे देश में बहुत ही कम दाम पर बेचता है। यह इतना कम होता है कि वहां की लोकल कंपनियां और किसान उस कीमत पर सामान बना ही नहीं पाते।

इससे उस देश का बाजार सस्ते विदेशी माल से भर जाता है और स्थानीय लोगों का कारोबार नुकसान में चला जाता है। इसके बाद धीरे-धीरे लोकल मार्केट पर विदेशी कंपनियों या प्रोडक्ट का कब्जा हो जाता है। अगर ट्रम्प भारतीय चावल पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगा देते हैं तो भारत से अमेरिका जाने वाला चावल काफी महंगा हो जाएगा। इससे वहां भारतीय चावल खरीदने वाले लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ेगा, क्योंकि कीमतें बढ़ जाएंगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com